सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 288, नई दिल्ली | शुक्रवार, 29 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।

न्यू ईयर को लेकर दिल्ली पुलिस की एडवाइजरी जारी पढ़ें 31 दिसंबर की शाम कैसी रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था ?

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर पूरी दिल्ली में ट्रैफिक के सुचारू प्रवाह के लिए पूरे शहर में विस्तृत यातायात व्यवस्था की है जहां इस तरह के समारोह आयोजित किए जा सकते हैं। सुरक्षा कारणों से कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं जो 31 दिसंबर रात आठ बजे से नए साल के जश्न के समापन तक लागू रहेंगे।

संजय बाटला

नई दिल्ली। नए साल की पूर्व संध्या पर लोगों को किसी तरह की दिक्कत न आए इसके लिए दिल्ली पुलिस ने लोगों की सुरक्षा व उनके सुगम यातायात के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

इस दौरान रेस्तरां, मॉल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अलग-अलग तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बड़ी संख्या में लोग मनोरंजन स्थलों पर आने के लिए अपने वाहनों का इस्तेमाल करेंगे, जिससे सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है।

इन स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग हो सकते हैं एकत्र

सूर्या होटल-न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी
लाजपत नगर-सेंट्रल मार्केट
एम एंड एन ब्लाक मार्केट-ग्रेटर कैलाश
इरोज होटल
क्राउन प्लाजा होटल-नेहरू प्लेस
डिफेंस कालोनी क्लब-आइएनए मार्केट
साउथ एक्सटेंशन मार्केट
लोधी इंस्टीट्यूशनल एरिया
हौज खास गांव सेलेक्ट सिटी वाक मॉल साकेत
गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस सैदुल्लाजाब
चंपा गली
कुतुब मीनार
छतरपुर एम्बिएंस मॉल
प्रोमेनेड मॉल
डीएलएफ एम्पोरिया मॉल
ग्रांड होटल
रेडिसन ब्लू होटल महिपालपुर
एयरोसिटी
वेगास मॉल
द्वारका
जनक पुरी जिला केंद्र तिलक नगर मार्केट
राजौरी गार्डन क्लब रोड
पंजाबी बाग
पीवीआर विकास पुरी
ज्वालाहेरी मार्केट
भैरा एन्क्लेव
सिटी सेंटर मॉल
रोहिणी
पीवीआर नारायणा
एम2के मॉल रोहिणी अशोक विहार
नेताजी सुभाष प्लेस
पीतम पुरा
मुखर्जी नगर
मॉडल टाउन
हडसन लेन करोल बाग
सिविल लाइंस
कमला नगर
ईडीएम मॉल
क्रॉस रिवर मॉल
शाहदरा
विकास मार्ग
वसंत कुंज मॉल
कनॉट प्लेस आदि।

निजी और सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर लागू होगा प्रतिबंध

ट्रैफिक पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर पूरी दिल्ली में यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए पूरे शहर में विस्तृत यातायात व्यवस्था की है, जहां इस तरह के समारोह आयोजित किए जा सकते हैं।

सुरक्षा कारणों से कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं जो 31 दिसंबर रात आठ बजे से नए साल के जश्न के समापन तक लागू रहेंगे। यह प्रतिबंध सभी निजी और सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर लागू होगा।

1. किसी भी वाहन को (i) गोल चककर मंडी हाउस (ii) गोल चककर बंगाली मार्केट (iii) रंजीत सिंह फ्लाईओवर के उत्तरी तल (iv) मिंटो रोड - दीन दयाल उपाध्याय मार्ग क्रॉसिंग (v) मुंजे चौक के पास चेम्सफोर्ड रोड (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन) (vi) आर.के. आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रॉसिंग (vii) गोल चककर गोल मार्केट (viii) गोल चककर जी.पी.ओ., नई दिल्ली (viii) पटेल चौक (ix) कस्तूरबा गांधी रोड - फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग (x) जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन (xi) गोल चककर विंडसर प्लेस से आगे कनॉट प्लेस की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. कनॉट प्लेस के आंतरिक, मध्य या बाहरी सर्कल में वैध पास वालों को छोड़कर किसी भी वाहन चालक को पार्किंग व्यवस्था के लिए कनाट प्लेस जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. वाहन चालक कनाट प्लेस के आसपास निम्नलिखित स्थानों पर अपने वाहन पार्क कर सकते हैं:-

(i) गोल डाक खाना के पास
(ए) काली बाड़ी मार्ग (बी) पं. पंत मार्ग (सी) भाई वीर सिंह मार्ग
(ii) आकाशवाणी के पीछे रकाब गंज रोड पर पटेल चौक के पास
(iii) कॉपरनिकस मार्ग पर मंडी हाउस के पास बड़ौदा हाउस तक
(iv) मिंटो रोड के पास डी.डी. यु मार्ग और प्रेस रोड क्षेत्र पर
(v) पंचकुइयां रोड के पास आर.के. आश्रम मार्ग पर, चित्रगुप्त रोड और बसंत रोड पहाड़गंज की ओर
(vi) के.जी. मार्ग के पास कॉपरनिकस लेन - फ़िरोज़शाह रोड क्रॉसिंग पर
साथ ही के.जी.मार्ग -सी हेक्सागोन की ओर.
(vii) गोल चककर बंगाली मार्केट के पास - बाबर रोड और तानसेन मार्ग पर
(viii) विंडसर प्लेस के पास (ए) राजेंद्र प्रसाद रोड (बी) रायसीना रोड
(ix) गोल मार्केट के पास पेशवा रोड, भाई वीर सिंह मार्ग सर्विस रोड के साथ और आर के आश्रम रोड पर।
(x) गोल चककर बूटा सिंह के पास जंतर-मंतर रोड, रायसीना रोड पर।

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर मिलेगी पार्किंग

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर कनॉट प्लेस के पास सीमित पार्किंग स्थान उपलब्ध होगा। गलत तरीके से पार्क किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा और कार्रवाई की जायेगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए (दक्षिणी दिल्ली से)

i) राम मनोहर लोहिया- पार्क स्ट्रीट- मंदिर मार्ग- रानी झांसी रोड- गोल चककर झंडेवालान- देशबंधु गुप्ता रोड।

ii) गोल चककर जीपीओ- काली बाड़ी मार्ग- मंदिर मार्ग- रानी झांसी रोड- गोल चककर झंडेवालान- देशबंधु गुप्ता रोड।

iii) गोल चककर विंडसर प्लेस- फिरोजशाह रोड- मंडी हाउस- "डब्ल्यू" प्वाइंट- "ए" प्वाइंट- डीडीयू मार्ग- भवभूति मार्ग।

iv) कनॉट प्लेस-चेम्सफोर्ड रोड से प्रवेश वर्जित रहेगा।

v) मोटर चालक अजमेरी गेट की ओर से दूसरा प्रवेश द्वार ले सकते हैं। वे पहाड़ गंज - शीला सिनेमा या अजमेरी गेट - जे.एल.एन. मार्ग की ओर से बी.एस.जेड. मार्ग - दिल्ली गेट के माध्यम से स्टेशन तक पहुंच सकते हैं।

प्रभावित नहीं होगा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन

उत्तरी दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली आवाजाही के लिए सुझाए गए मार्ग-

वाहन चालकों को उपलब्ध वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी जाती है

1.आईएसबीटी से आश्रम तक रिंग रोड या आश्रम तक पहुंचने के लिए दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग, मथुरा रोड से होकर और इसके विपरीत या आइएसबीटी, रानी झांसी मार्ग, पंचकुइयां रोड, मंदिर मार्ग, पार्क स्ट्रीट, मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड और उससे आगे के माध्यम से या रानी झांसी मार्ग, पंचकुइयां रोड, हनुमान मूर्ति, रिंग रोड होते हुए।

यात्रियों को पश्चिमी दिल्ली में इन मार्गों के उपयोग से बचने का सुझाव दिया गया है:-

नजफगढ़ रोड, (द्वारका मोड़ से जखीरा फ्लाईओवर) और बाहरी रिंग रोड (जनक पुरी से पीरागढ़ी चौक तक)

क्लब रोड पंजाबी बाग के लिए राजा गार्डन से आने वाली और बाबा राम देव मार्ग (पश्चिम पुरी) की ओर जाने वाली डीटीसी बसों सहित सभी वाणिज्यिक यातायात को 31 दिसंबर को शाम चार बजे से एक जनवरी 2024 सुबह चार बजे तक क्लब रोड पर बाएं मुड़ने के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। ट्रैफिक को सीधे गोल चककर पंजाबी बाग की ओर मोड़ दिया जाएगा और फिर रोहतक रोड पर बाईं ओर पश्चिम पुरी की ओर मोड़ दिया जाएगा।

पूर्वी दिल्ली से पश्चिमी दिल्ली आवागमन के लिए सुझाया गया मार्ग

रिंग रोड
भैरों रोड
मथुरा रोड
सुब्रमण्यम भारती मार्ग
मदर टेरेसा क्रिसेंट
गोल चक्कर आर.एम.एल.
पार्क स्ट्रीट
शंकर रोड

दक्षिण दिल्ली में इन मार्गों से बचने का दिया गया सुझाव

रिंग रोड की ओर जाने के लिए प्रेस एन्क्लेव रोड साकेत से बचें।

सेंट्रल मार्केट लाजपत नगर जाने के लिए फिरोज गांधी मार्ग और वीर सावरकर मार्ग से बचें।

एंड्यूज गंज से नई दिल्ली की ओर जाने के लिए भीष्म पितामह मार्ग से बचें और रिंग रोड एम्स की ओर जाने के लिए लोधी रोड से बचें।

चूंकि एंबिएंस मॉल वसंत कुंज में नए साल के जश्न के कारण ज्यादा ट्रैफिक होगा, इसलिए गुरुग्राम जाने के लिए नेल्सन मंडेला रोड से बचें, ओलोफ पाल्मे मार्ग, आरटीआर का उपयोग करें।

हौज खास विलेज के पास यातायात सलाह

मोती बाग से सफदरजंग अस्पताल के बीच रिंग रोड से बचें। आईजीआई एयरपोर्ट जाने के लिए आरटीआर अरबिंदो मार्ग और ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग का उपयोग करें।

एयरोसिटी के आसपास यातायात सलाह

एयरोसिटी में विभिन्न स्थानों पर नए साल के जश्न के कारण यातायात की गति धीमी हो सकती है क्योंकि एयरोसिटी के प्रवेश द्वार पर गहन जांच होगी, जो यात्री हवाई अड्डे जाने की योजना बना रहे हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि वे पर्याप्त समय की जानकारी रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

जीके-एक मार्केट में नए साल के जश्न के कारण हंसराज गुप्ता मार्ग पर ट्रैफिक ज्यादा रहेगा।

इंडिया गेट पर नए साल पर वाहनों पर प्रतिबंध

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पैदल और वाहन दोनों तरह के यातायात के नियमन के लिए इंडिया गेट पर और उसके आसपास व्यापक यातायात व्यवस्था की है। ज्यादा पैदल यात्री आवाजाही के मामले में वाहनों को सी-हेक्सागन, इंडिया गेट क्षेत्र से जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसके इन स्थानों से ड्रैफिक को डायवर्ट किया जा सकता है।

15 घंटे से ज्यादा लेट हुई वंदे भारत ट्रेन, घने कोहरे ने रोक दी सेमी हाईस्पीड ट्रेन की रफ्तार

कोहरे के चलते लंबी दूरी कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया तो कई ट्रेनें 10-10 घंटे की देरी से चल रही हैं। देश की सेमी हाईस्पीड ट्रेन के पहिए भी कोहरे के चलते जैसे थम से गए हैं। दिल्ली से बनारस जाने वाली नई वंदे भारत ट्रेन अपने निर्धारित समय से 15 घंटे की ज्यादा की देरी चल रही है।

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में भीषण ठंड के साथ घना कोहरा देखने को मिल रहा है। कोहरे की वजह से सड़कों पर दुर्घटनाए बढ़ गईं हैं, तो वहीं उड़ान सेवाओं पर भी असर देखने को मिला है। दिल्ली आने वाली कई फ्लाइटों को कम दृश्यता के कारण डायवर्ट कर दिया गया।

लंबी दूरी की ट्रेनों पर कोहरे का असर

इसके साथ ही सबसे ज्यादा असर घने का कोहरे का रेल सेवा पर पड़ा है। कोहरे के चलते लंबी दूरी कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया तो कई ट्रेनें 10-10 घंटे की देरी से चल रही हैं। देश की सेमी हाईस्पीड ट्रेन के पहिए भी कोहरे के चलते जैसे थम से गए हैं।

निर्धारित समय से 15 घंटे से ज्यादा लेट

दिल्ली से वाराणसी (बनारस) जाने वाली नई वंदे भारत ट्रेन अपने निर्धारित समय से 15 घंटे की ज्यादा की देरी चल रही है। बुधवार को रात 11 बजकर 05 मिनट पर वाराणसी पहुंचने वाली वंदे भारत ट्रेन (22416) गुरुवार को दिन में 03:30 तक बजे तक नहीं पहुंच सकी है, जबकि वाराणसी से सुबह छह बजे चलने वाली वंदे भारत ट्रेन (22415) बुधवार को रात में 09 बजे के बाद नई दिल्ली पहुंची।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स ने दिल्ली परिवहन आयुक्त को स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट के नाम पर होने वाली परेशानी और भष्टाचार के खिलाफ लिखा शिकायत पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन का कहना हैं कार शो रूम द्वारा स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट ना दिए जाने से हजारों गाड़ियों की फिटनेस रुकी हुई हैं, इसके अलावा जो नई टैक्सीयां रजिस्ट्रेशन के लिए बुराड़ी अथॉरिटी में जा रही हैं उनका भी रजिस्ट्रेशन बुराड़ी अथॉरिटी वाले नहीं कर रहें हैं.

क्योंकि जितने भी कार शो रूम वाले स्पीड गवर्नर या स्पीड लिमिट डिवाइस को सर्टिफिकेट नहीं बना रहें हैं जिसकी वजह से हजारों टैक्सीयों की फिटनेस रूकी हुई हैं और जिन्होंने नई टैक्सीयां रजिस्ट्रेशन के लिए बुराड़ी भेजी है वह 10 दिनों से ज्यादा परेशान हैं

संजय सम्राट का कहना हैं की काफी सालो से स्पीड गवर्नर के सर्टिफिकेट के नाम पर भ्रष्ट्राचार हो रहा था और अब एंटी करप्शन द्वारा जांच की जाने के बाद से सर्टिफिकेट देने बंद कर दिए और इससे दिल्ली के ट्रांसपोर्टेस काफी परेशान हे। दिल्ली मे टेक्सी बसो के फिटनेस के समय टैक्सी बसों की स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) को चेक करने के बहाने 2500 से 3000 रुपये जबरदस्ती वसूले जा रहे है वो भी परिवहन विभाग के पेनल मे (कार शो रूम) डीलरो द्वारा। वास्तव मे परिवहन विभाग और प्राइवेट डीलरो की मिली भगत से ये सारा खेल चल रहा हे। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) गाड़ियों मे सही से काम कर रहा हे या नही ये जिम्मेवारी फिटनेस सेन्टर की हे इसके लिए हमारे टेक्सी बस वाले ट्रांसपोर्टर्स इस स्पीड लिमिट डिवाइस को चेक कराने के लिए 600 रुपये भी देते हे लेकिन फिटनेस सेंटर वाले चाहे बुराडी सेंटर हो या झूलझुली दोनो ही स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) को चेक करते भी है पर पहली एएमसी का प्रमाणपत्र मागते हैं। परिवहन विभाग ने इसके लिए अपनें कुछ प्रिय डीलरो को अपने पेनल मे रखा हुआ है जो रुपये लेकर 1 सर्टिफ़िकेट देते है की स्पीड गवर्नर (स्पीड लिमिट डिवाइस) सही से काम कर रहा हे.जबकी ये ड्यूटी परिवहन विभाग की हे। हद तो जब हो जाती हे की जब टेक्सी बस मे स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) कंपनी से फिट हो कर आ रहा हे लेकिन फिटनेस के समय उस कार निर्माता कंपनी से भी दोबारा सर्टीफिकेट लाना पड्ता हे। इसके लिए अब वो भी 2500 से 3000 रुपये वसूल रहे हे।

संजय सम्राट ने परिवहन आयुक्त से मांग की हैं की स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) या टैक्सी बसों की स्पीड चेक करने की ड्यूटी फिटनेस सेंटर की है और इसके लिए 600 रुपये फीस भी ली जाती है उसके अतीरिक्त कोई सर्टिफिकेट नही लिया जाय और अलग से स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर) के सर्टिफिकेट की मान्यता रद्द की जाए. क्योंकि इस से भ्रष्ट्राचार फैल रहा हैं.

वैसे भी परिवहन विभाग के अफसर फिटनेस के समय गाड़ियों की स्पीड खुद चेक करने के लिए तैयार हैं.

संजय सम्राट ने एक और मांग की जिन विदेशी मॉडल की टैक्सीयों या कारो मै स्पीड लिमिट डिवाइस नहीं लगा हुआ या ऐसी गाड़ियों का स्पीड गवर्नर मार्किट मै उपलब्ध नहीं हैं उनकी फिटनेस की इजाजत भी तुरन्त दी जाये और इसके लिए दिल्ली परिवहन विभाग को तुरंत निर्देश दिए जाए. जिस से हमारी टैक्सीया बगैर रजिस्ट्रेशन के रोड पर खड़ी है उनका रजिस्ट्रेशन तुरन्त हो जाए.

स्पीड लिमिट डिवाइस सर्टिफिकेट के बगैर टैक्सीयों के रजिस्ट्रेशन तुरन्त करें जाए और टैक्सीयों की फिटनेस भी बगैर स्पीड लिमिट डिवाइस के तूरंत शरू की जाए.

टैक्सी बसों की स्पीड बुराड़ी और झूल झूली फिटनेस सेंटर द्वारा ही फिटनेस फीस के पेसो से ही करी जाए।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

अयोध्या एयरपोर्ट अब महर्षि वाल्मीकी के नाम पर?

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दलित समाज समेत अन्य एससी/एसटी यूनियनों समेत कई संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से आयोध्या के नवनिर्मित हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकी के नाम पर रखने की मांग की है। वाल्मीकी समाज की जायज मांग को देखते हुए अयोध्या के श्रीराम एयरपोर्ट का नाम बदल कर महर्षि वाल्मीकी के नाम पर किया जा सकता है। इस बारे में योगी सरकार ने नवनिर्मित अयोध्या हवाई अड्डे का नाम बदलने का मूड बना लिया है। फिलहाल इसका नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। उल्लेखनीय है कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हवाई अड्डे का उद्घाटन करेगें। वही 22 जनवरी,2024 को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इस वजह से बडी संख्या में श्रद्धालु वहां उपस्थिति रहेगें। इससे पहले ही एयरपोर्ट का नाम बदला जा सकता है। इस बाबत आल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक एससी/ एसटी इंप्लांइज वेल्फयर एसोसिएशन के जोनल सेकेट्री दुली चंद ने अयोध्या का नाम मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जगह महर्षि वाल्मीकी अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाम रखने का स्वागत किया है।

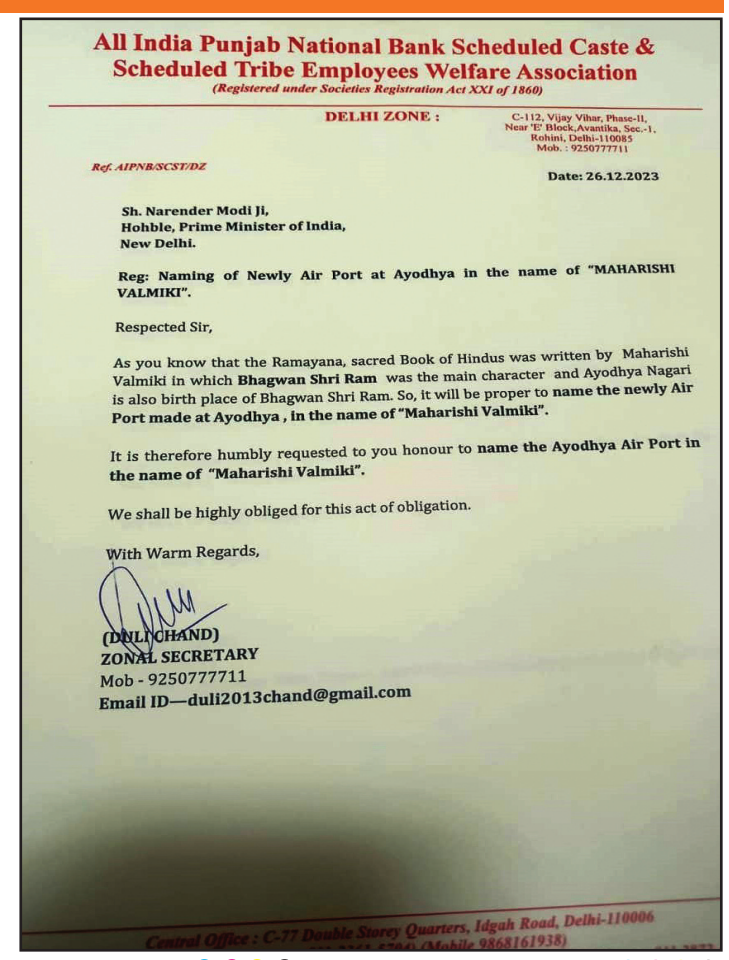

All India Punjab National Bank Scheduled Caste & Scheduled Tribe Employees Welfare Association
(Registered under Societies Registration Act XXI of 1860)

DELHI ZONE : C-112, Vijay Vihar, Phase-II, Near 'E' Block, Avantika, Sec.-1, Rohini, Delhi-110085 Mob. : 9250777711

Ref. AIPNB/SCST/DZ

Date: 26.12.2023

Sh. Narender Modi Ji,
Hohble, Prime Minister of India,
New Delhi.

Reg: Naming of Newly Air Port at Ayodhya in the name of "MAHARISHI VALMIKI".

Respected Sir,

As you know that the Ramayana, sacred Book of Hindus was written by Maharishi Valmiki in which **Bhagwan Shri Ram** was the main character and Ayodhya Nagari is also birth place of Bhagwan Shri Ram. So, it will be proper to **name the newly Air Port made at Ayodhya , in the name of "Maharishi Valmiki".**

It is therefore humbly requested to you honour to **name the Ayodhya Air Port in the name of "Maharishi Valmiki".**

We shall be highly obliged for this act of obligation.

With Warm Regards,

(DULI CHAND)
ZONAL SECRETARY
Mob - 9250777711
Email ID—duli2013chand@gmail.com

Central Office : C-77 Double Storey Quarters, Idgah Road, Delhi-110006

इनसाइड

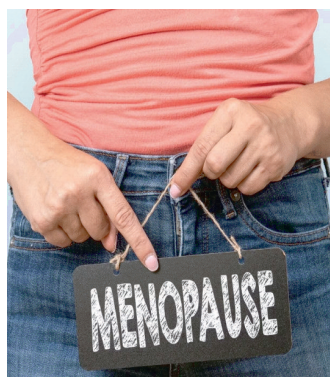

मीनोपॉज के लक्षणों को कम करने के लिए महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मीनोपॉज (Menopause) होता है. इस दौरान कई महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे लक्षणों का अनुभव करती हैं. ऐसे में महिलाएं राहत पाने के लिए योनि मुद्रा (Womb gesture), हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra) और प्राण मुद्रा (Prana Mudra) का अभ्यास कर सकती हैं.

मीनोपॉज (Menopause) मासिक धर्म यानी मेंस्ट्रुअल साइकिल के खत्म होने और महिलाओं के रिप्रोडक्टिव हार्मोन (Reproductive hormone) में कमी आने का संकेत है. ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मेनोपॉज होता है. इसके कारण कई महिलाएं बहुत सारी समस्याओं का सामना करती हैं.

आपको बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मीनोपॉज के कारण महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे कुछ लक्षणों का अनुभव करती हैं. कुछ मामलों में नींद में गड़बड़ी भी हो सकती है. कुछ महिलाओं को चिंता या अवसाद भी अपना शिकार बना लेते हैं लेकिन इसके लक्षणों को कम करने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है. आध्यात्मिक गुरु, योग-उद्यमी और लेखक, ग्रैंड मास्टर अक्षर (Grand Master Akshar) के अनुसार, योग एक 'होलिस्टिक सॉल्यूशन' देता है. उनके मुताबिक योग न केवल लक्षणों को आसानी से कम करने में कारगार है, बल्कि इस बदलाव के दौरान योग सपोर्ट सिस्टम भी प्रदान करता है. उन्होंने बताया कि आसन, प्राणायाम और ध्यान के साथ, कुछ मुद्राओं का अभ्यास मीनोपॉज के दौरान मददगार साबित हो सकता है. आइए, जानते हैं कि कौनसी 3 मुद्राएं महिलाओं को करनी चाहिए

महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

योनि मुद्रा (Womb gesture)

इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में बैठ कर किया जा सकता है. इसमें रीढ़ सीधी रहती है.
इसके लिए हाथों को गोद में लेकर आएं.
मिडिल, रिंग और छोटी उंगलियों को आपस में इंटरलॉक कर लें.
अंगूठे और तर्जनी उंगली को एक साथ दबाएं.
अब हीरे की आकृति बनाते हुए अंगूठे और तर्जनी को एक दूसरे से दूर ले जाएं.

हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra)

हकीनी मुद्रा को मन की मुद्रा भी कहा जाता है.
इसे सूर्योदय के दौरान करने की सलाह दी जाती है.
इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में किया जा सकता है.
इस मुद्रा का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को कुछ इंच की दूरी पर एक दूसरे के सामने लाएं.
दोनों हाथों की उंगलियों और अंगूठों को मिलाएं.
अब हाथों को माथे के पास तीसरे नेत्र चक्र के स्तर तक उठाएं.
यह भी पढ़ें- Women Psychology: प्यार करने वाली औरतों से जुड़े 5 मनोवैज्ञानिक फैक्ट्स

प्राण मुद्रा (Prana Mudra)

इस मुद्रा को दोनों हाथों की मदद से बनाया जाता है.
इसमें रिंग फिंगर के सिरे और छोटी उंगली को अंगूठे के सिरे से जोड़ना होता है.
बाकी सभी अंगुलियों को सीधा फैलाएं.
इस दौरान श्वास लें और श्वास छोड़ें.
क्रोनिक कंडिशन में इसका एक बार सुबह और एक बार शाम को 15 मिनट तक अभ्यास करें.
जानकारी के मुताबिक हर मुद्रा को कम से कम 5 मिनट के लिए करना चाहिए.

11 सेफ्टी टिप्स महिलाओं के लिए हर बुरे हालात में मिलेगी मदद

अगर आप किसी दूसरे शहर में अकेले रहती हैं और कई बार खुद में असुरक्षित (Unsafe) महसूस करती हैं तो यह जरूरी है कि हर वक्त सतर्क रहें और छोटी से छोटी सुरक्षा से जुड़ी बात को फॉलो करें. आपकी एक गलती आपके लिए मुसीबत खड़ी कर सकती है.

आज के समाज में महिलाएं (Women) हर सेक्टर में आगे कदम बढ़ा रही हैं. बढ़ते कदम के साथ महिलाओं को कई तरह की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है. देर रात मीटिंग से घर लौटना हो या दूसरे शहर में अकेले रहकर काम करना हो. इन सब चुनौतियों के बीच खुद की सुरक्षा एक अहम बात होती है. अगर आप किसी दूसरे शहर में अकेले रहती हैं तो कई बार खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं तो यह जरूरी है कि आप हर वक्त सतर्क रहें और सुरक्षा से जुड़ी हर छोटी बात को फॉलो करें.

आपकी एक गलती मुसीबत खड़ी कर सकती है. 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (International Women's Day 2022) मनाया जाता है. इस मौके पर आप बेसिक सेफ्टी टिप्स सीख कर अन्य महिलाओं को भी ये सब सिखा सकती है. हम आपको बता रहे हैं कि आप अपनी सुरक्षा के लिए किन बातों का हमेशा ख्याल रखें और सुरक्षा के लिए किन सेफ्टी टिप्स (Safety Tips) को फॉलो करें.

पुलिस वेरिफिकेशन के बाद हाउस हेल्प पर रखें

घर के काम के लिए अगर आप हाउस हेल्पर रखती हैं तो किसी भरोसेमंद हाउस हेल्प को लें और उसका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं.

सेफ्टी डोर लगवाएं

अगर आप घर पर अकेली रहती हैं तो घर पर सेफ्टी डोर लगवाएं. ताकि आपका दरवाजा कोई न खोल सके और आप डबल श्योर रह सकें. घंटी बजने पर तुरंत दरवाजा ना खोलें बल्कि पहले सेफ्टी डोर से देखें.

फोन हमेशा रखें फुल चार्ज

घर से बाहर जब भी जाएं तो यह ध्यान रखें कि आपका फोन हमेशा फुल चार्ज हो. अकेले रास्ते में गाना सुनते हुए या किसी से बात करते हुए जाने की बजाय आप पास का ध्यान रखते हुए अलर्ट होकर जाएं. जीपीएस सिस्टम हमेशा ऑन रखें.

घर पर जरूर दें जानकारी

आप जब भी ऑफिस या कॉलेज जाएं तो माता-पिता या भाई बहन को जरूर बता दें. इससे आप अगर किसी प्रॉब्लम में होंगी तो वह आपकी मदद कर सकेंगे और उन्हें आपकी जानकारी भी होगी.

घर का नंबर कॉल हिस्ट्री लिस्ट में टॉप पर

हमेशा ध्यान दें कि आपके मोबाइल की कॉल हिस्ट्री लिस्ट में आपके परिवार वालों के नंबर टॉप पर हो. ऐसा करने से एमरजंसी में आपको कॉल करने में समय नहीं लगेगा.

गाड़ी नंबर करें करें शेयर

रात अकेले ट्रैवल करना हो तो गाड़ी में बैठने से पहले गाड़ी का नंबर जरूर शेयर करें. कभी भी अकेले बस में सफर न करें.

लोकेशन ट्रैकर ऑन करें

लेट नाईट ट्रैवल करते समय आप लाइव लोकेशन ट्रैक करते रहें.

पेपर स्प्रे रखें

अपने हैंडबैग में हमेशा पेपर स्प्रे रखें. अगर कोई अनजान व्यक्ति आपसे जबरदस्ती करने की कोशिश करे तो आप तुरंत उसकी आंखों में इसे स्प्रे कर सकती हैं. ऐसा करने से आपको वहां से भागने में आसानी होगी.

प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने रहना है हेल्दी और मेंटली स्ट्रॉन्ग, तो महिलाएं जरूर फॉलो करें ये 10 टिप्स

प्रेग्नेंसी के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु (Baby) की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत (Health) के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें.

मां बनने का अहसास दुनिया का सबसे खुशनुमा अहसास होता है, लेकिन जरा सी भी लापरवाही बरती जाए, तो प्रेग्नेंसी (Pregnancy) के पूरे नौ महीने तकलीफदायक भी हो सकती है. प्रेग्नेंसी को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा गया है, पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही. इसमें पहली और तीसरी तिमाही काफी नाजुक होती है. इस पीरियड के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें. यहां हम आपको कुछ टिप्स (How to stay fit during pregnancy) बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप खुद को रख सकती हैं हेल्दी और फिट'.

हेल्दी प्रेग्नेंसी के 10 टिप्स

1 टीओआई की खबर के अनुसार, गर्भावस्था के पूरे 9 महीने खानपान में कोई भी लापरवाही ना बरतें. आप जो भी खाएंगी वो आपके शिशु को भी लगेगा. अक्सर, प्रेग्नेंसी के पहले महीने में कुछ महिलाओं को उल्टी, मितली, भूख न लगना, थकान जैसी परेशानियां होती हैं, जिससे उनका खानपान भी गड़गड़ हो जाता है. अपने डाइट में हल्की भुनी पसंदीदा सब्जियों को शामिल करें. फाइबर से भरपूर सब्जियां, फल खाएं. हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों के सेवन से आपका शिशु भी हेल्दी होगा.

2 प्रेग्नेंसी के दिनों में शरीर में आयरन की कमी न होने दें. अक्सर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है, जिससे उनमें खून की कमी हो जाती है. वे एनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. आयरन से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करें. इसके अलावा, विटामिन सी के साथ आयरन लें ताकि शरीर में आयरन एब्जॉर्प्शन सही हो सके. आप दाल, फल, मीट खाएं. नींबू पानी, संतरा का जूस पीकर भी आयरन एब्जॉर्प्शन को बढ़ा सकती हैं.

3 आप खुद को हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें. अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और बीच-बीच में पानी पीती रहें. साथ ही नारियल पानी, स्मूदी, फलों से तैयार जूस और शेक्स भी पी सकती हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो. डाइट में उन फलों को शामिल करें, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है. खीरा, खरबूज, टमाटर, लौकी, तरबूजा आदि खाएं, खासकर गर्मी के सीजन में. इतना ही नहीं

4 फॉलिक एसिड का सेवन भी प्रेग्नेंसी के दिनों में बहुत जरूरी होता है. इसे आप हरी पत्तेदार सब्जियों, दालें, फोर्टिफाइड अनाज के सेवन से पा सकती हैं. प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में आपको फॉलिक एसिड सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत होगी, क्योंकि यह भ्रूण को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है.

5 दिन भर में हेल्दी स्नैक्स का सेवन करना भी है जरूरी. इसके लिए आप रोस्टेड बादाम, काजू खाएं. ड्राई खुबानी, प्रोटीन बार्स, सीरियल बार्स अपने साथ रखें और थोड़े-थोड़े गैप में खाती रहें.

6 हेल्दी प्रेग्नेंसी तभी संभव है, जब आप प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेंगी. सारा दिन काम करके शरीर थक जाता है, ऐसे में आराम करना भी जरूरी है. गर्भवास्था में बायीं करवट लेकर सोएं. बायीं करवट में सोने से शरीर में रक्त प्रवाह सही से होता है और पेट पर दबाव भी कम पड़ता है. एक बात का ध्यान रखें कि आपका बिस्तर और तकिया कंफर्टेबल हो.

7 शारीरिक रूप से एक्टिव रहें, कुछ हल्के एक्सरसाइज, योग करें. प्रतिदिन रात में डिनर करने के बाद 15-30 मिनट टहलें. इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहेगा. आप फिजिकली और इमोशनली फिट महसूस करेंगी. डिलीवरी के समय अधिक समस्या नहीं होगी.

8 प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए जैसे कच्चा या अधपका मांस, कच्चा अंडा, पपीता. उबला अंडा खा सकती हैं, पर ध्यान रखें कि पीला वाला भाग अच्छी तरह से पक गया हो.

9 बहुत ज्यादा किसी बात को लेकर चिंतित या स्ट्रेस में न रहें. इससे मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंच सकता है. यदि आपको डिलीवरी के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर अभी से स्ट्रेस, डर बैठ गया है, तो इससे उबरने के लिए योग, डीप-ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें. स्ट्रेस मैनेज करने के लिए टहलें, स्ट्रेचिंग करें.

10 प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत अधिक चाय, कॉफी पीने से बचें. कॉफी में मौजूद कैफीन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. बेहतर है की आप नींबू वाली चाय, हर्बल टी या कैफिन रहित ड्रिंक्स का सेवन करें.

महिलाओं में वजन बढ़ना कई बीमारियों की है वजह, हो सकती हैं ये 8 शारीरिक और मानसिक समस्याएं

सिर्फ मोटापे (obesity) की वजह से लाखों महिलाएं (women) जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं मोटापे को दूर रखें और सक्रिय रहकर एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक (Physical) और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

पुरुषों की तुलना में मोटापे (obesity) की समस्या महिलाओं (women health) में अधिक देखने को मिलती है. मोटापा आमतौर पर चलने फिरने की कमी, असक्रिय लाइफ स्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, हार्मोनल बदलाव आदि के कारण हो सकता है. मोटापे के कारण महिलाओं में कई शारीरिक (Physical) और मानसिक (Mental) समस्याएं हो सकती हैं. मोटापे की वजह से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हार्ट हेल्थ प्रभावित हो सकती है. जबकि नॉर्मल लाइफ में उन्हें चलने, फिरने, उठने, बैठने और अपने दैनिक कामों में भी परेशानी आ सकती है. यही नहीं, वजन के अनियंत्रित होने से मन और दिमाग पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. अधिक मोटापे से महिलाओं में अनिद्रा, तनाव और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं देखने को मिलती हैं. साथ ही कई महिलाएं बॉडी शेमिंग की वजह से अपना आत्मविश्वास खो देती हैं.

यूएस वुमंस हेल्थ के मुताबिक, सिर्फ मोटापे की वजह से लाखों महिलाएं जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

महिलाओं में मोटापे से होने वाली समस्याएं

हार्ट संबंधी समस्याएं

दरअसल वजन बढ़ने के कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और हाई बीपी के कारण हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है. इससे शरीर में कई और परेशानियां भी हो सकती हैं और आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं.

डायबिटीज

मोटापे के कारण ब्लड में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. यह आपके शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

वजन बढ़ने से महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है और ब्लड सर्कुलेशन के लिए हार्ट पर अधिक दबाव पड़ने से हार्ट और रक्त वाहिकाओं दोनों को नुकसान पहुंच सकता है और ब्रेन हैमरेज का खतरा भी हो सकता है.

डिप्रेशन

ज्यादातर किशोरावस्था में लड़कियों में देखा जाता है कि मोटापा बढ़ने से उनमें बॉडी शेमिंग जैसी फीलिंग्स आ जाती है और धीरे-धीरे वे चिंता और डिप्रेशन में चली जाती हैं.

फैटी लीवर प्रॉब्लम

फैटी लीवर में आपके लीवर में फैट बनने लगता है और आपको कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं. यह ऑयली फूड, कैलोरी और फ्रूक्टोज के कारण भी हो सकता है. मोटापा और डायबिटीज फैटी लीवर के मुख्य कारणों में से एक है.

किडनी प्रॉब्लम

मोटापे के कारण किडनी में भी परेशानी हो सकती है. इससे ब्लड फिल्टर करने में परेशानी आती है और डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी बढ़ सकती है.

अनिद्रा की समस्या

महिलाओं को कई बार रात में अच्छे से नींद नहीं आती. इसकी वजह बढ़े वजन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

मूड स्वींग

मोटापे के कारण आपके शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव भी आ सकते हैं जिसके कारण मूड स्विंग हो सकता है. कभी-कभी मूड स्विंग होने पर महिलाएं बहुत ज्यादा खाना खाने लगती हैं, जिससे आपकी समस्या और बढ़ सकती है.

वायु प्रदूषण को लेकर पूछे गए सवाल पर गोल-गोल घूमते रहे अधिवक्ता एनजीटी ने पर्यावरण मंत्रालय पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

परिवहन विशेष न्यूज

जहरीली हवा के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के संबंध में उठाए गए सवालों पर अस्पष्ट जवाब देने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तम मंत्रालय पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने कहा कि मामले में मंत्रालय की तरफ से अस्पष्ट और अप्रासंगिक जवाब दाखिल किया गया है। मामले पर अब अगले साल सुनवाई होगी।

नई दिल्ली। जहरीली हवा के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के संबंध में उठाए गए सवालों पर अस्पष्ट जवाब देने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तम मंत्रालय पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने कहा कि मामले में मंत्रालय की तरफ से अस्पष्ट और अप्रासंगिक जवाब दाखिल किया गया है।

मंत्रालय द्वारा जवाब में हवा में प्रदूषकों की मौजूदगी को स्वीकार किया गया था। साथ ही कहा था कि समय-समय पर विभिन्न अधिकारियों द्वारा कुछ निर्देश जारी किए गए थे। हालांकि, एनजीटी ने पाया कि मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

उठाए गए कदम के बारे में नहीं दे पाए जवाब

मामले पर सुनवाई के दौरान न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और पर्यावरण विशेषज्ञ सदस्य डा. ए सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि मंत्रालय की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता से पूछा गया कि मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में क्या प्रभावी कदम उठाए गए हैं। जवाब में अधिवक्ता ने स्वीकार किया कि मंत्रालय द्वारा दिया गया जवाब इस पहलू पर स्पष्ट नहीं है। इतना ही नहीं एनजीटी द्वारा बार-बार पूछने के बावजूद भी अधिवक्ता वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उठाए गए एक भी कदम के बारे में नहीं बता सके।

एनजीटी ने वायु प्रदूषण से जुड़ी एक रिपोर्ट का संज्ञान लेकर अक्टूबर माह में मंत्रालय को जवाब दाखिल करने को कहा था। वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने भी जवाब दाखिल कर हवा में विभिन्न धातुओं और अन्य प्रदूषकों की उपस्थिति को स्वीकार किया।

मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी 2023 को

हालांकि, सीपीसीबी द्वारा दाखिल किए गए जवाब में इन मापदंडों और उनके संबंधित प्रसार स्तरों से उत्पन्न वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और रोकने के लिए क्या प्रभावी उपाय या कदम उठाए गए, इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। सुनवाई के दौरान सीपीसीबी की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने आदेश पारित करने से पहले मामले में मंत्रालय से निर्देश लेने के लिए एनजीटी से समय मांगा। अनुरोध स्वीकार करते हुए एनजीटी ने सीपीसीबी को एक महीने का समय दिया। मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी 2023 को होगी।

पर्यावरण क्षतिपूर्ति की राशि के खर्च का ब्योरा मांगी

सुनवाई के दौरान एनजीटी ने सीपीसीबी द्वारा दाखिल किए गए जवाब को नोट किया। सीपीसीबी ने एनजीटी को बताया कि पर्यावरण संरक्षण शुल्क (ईपीसी) फंड के तहत सड़कों के निर्माण और मरम्मत के साथ-साथ मैकेनिकल रोड स्वीपर के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरी स्थानीय निकायों को वित्त पोषण किया जा रहा है। एनजीटी ने यह भी नोट किया कि सीपीसीबी के पास जमा की गई पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) की राशि को अनधिकृत उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। इस पर एनजीटी ने सीपीसीबी को ईसी फंड का विवरण पेश करने को कहा। एनजीटी ने कहा कि 30 नवंबर 2023 तक ईसी फंड की धनराशि को कैसे खर्च किया गया है, इसका ब्योरा पेश किया जाए।

संजय सिंह हर शुक्रवार को तिहाड़ जेल में रखेंगे व्रत, आप के कार्यकर्ताओं के नाम भेजा ये संदेश

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह हर शुक्रवार को जेल में उपवास रखेंगे। इस दौरान वह भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। संजय सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम संदेश में कहा कि संभव हो तो हर जाति-धर्म के लोग हफ्ते में एक दिन भारत माता को माल्यार्पण कर उपवास करें। यह हमारे मनोबल को दृढ़ एवं हमारे संकल्प को मजबूती देगा।

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह जेल के अंदर ही भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हर शुक्रवार को उपवास करेंगे। आप नेता ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के नाम जेल से भेजे गए संदेश में कहा है कि देश की एकजुटता के लिए यह उपवाश कर रहे हैं।

सड़क से लेकर जेल तक लड़ना होगा- संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा है कि संभव हो तो हर जाति-धर्म के लोग हफ्ते में एक दिन भारत माता को माल्यार्पण कर उपवास करें। यह हमारे मनोबल को दृढ़ एवं हमारे संकल्प को मजबूती देगा। देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए जेपी जैसे आंदोलन की पुनरावृत्ति होनी आवश्क है। महंगाई, बेरोजगारी, कुशासन एवं तानाशाही से पूरा देश त्रस्त है।

AAP कार्यकर्ता भी रखेंगे उपवास

इस लड़ाई के लिए हमें सड़क से लेकर जेल तक लड़ना होगा, जिसकी शक्ति हमें हमारी भारत माता, जो हमारी शक्ति माता भी हैं, उनके आशीर्वाद से ही संभव है। उधर संजय सिंह के संदेश पर उत्तर प्रदेश के अंदर हर शुक्रवार को सभी जिलों में भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आप कार्यकर्ता उपवास करेंगे।

आप ने कहा है कि केंद्र सरकार आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता एवं जनहित कार्यों से घबरा हुई है। वह आप नेताओं की गिरफ्तारी के द्वारा पार्टी के बढ़ते कदमों को रोकने की नाकाम कोशिश कर रही है। आप ने आरोप लगाया है कि इसी क्रम में संजय सिंह को फर्जी आरोप में फंसा कर गत चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

भाजपा पार्षदों ने जमकर किया हंगामा, चार नेताओं को 15 दिनों के लिए किया गया निष्कासित; अनिश्चितकाल के लिए सदन स्थगित

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आज सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान बीजेपी के पार्षद जमकर हंगामा करने लगे। बीजेपी पार्षद नकली दवाईयों से लेकर स्ट्रीट लाइट और कर्मचारियों को वेतन न मिलने पर भाजपा ने जवाब मांगा। हंगामे के बीच महापौर शैली ओबेरॉय ने नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह पार्षद योगेश वर्मा रवि नेगी और इंद्रजीत सहरावत को अगली बैठक तक के लिए निष्कासित कर दिया।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आज सदन की कार्यवाही शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी के पार्षद जमकर हंगामा करने लगे। बीजेपी पार्षद नकली दवाईयों से लेकर स्ट्रीट लाइट और कर्मचारियों को वेतन न मिलने पर भाजपा ने जवाब मांगा। हंगामे के बीच महापौर शैली ओबेरॉय ने नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह, भाजपा पार्षद योगेश वर्मा, रवि नेगी और इंद्रजीत सहरावत को अगली बैठक तक के लिए निष्कासित कर दिया। वहीं, हंगामे के बीच मेयर ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया।

मेयर शैली ओबेरॉय ने बताई निष्कासन की वजह

मेयर शैली ओबेरॉय ने बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि बीजेपी पार्षद राजा इकबाल सदन की कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते हैं। अपनी पार्टी के सदस्यों से हंगामा करने का आग्रह करते हैं। वे अपना निजी माइक्रोफोन लाते हैं। मेज पर खड़े होते हैं और अशांति पैदा करते हैं। वे नागरिकों के मुद्दों पर चर्चा करने में उदासीन दिखते हैं। इसलिए राजा इकबाल, योगेन्द्र वर्मा, गजेन्द्र सिंह और रवि नेगी को 15 दिन के लिए सदन से बाहर निकाला गया।

मेयर शेली ओबेरॉय ने कहा, 'भाजपा का एक ही मकसद है कि सदन को नहीं चलने देना है। हर बार हंगामा करना, टेबल पर खड़े हो जाना। साफ-साफ दर्शाता है कि वे (भाजपा) चाहते ही नहीं है कि हम दिल्ली की जनता के हित की बातें करें। दिल्ली सरकार के मुद्दों को नगर-निगम सदन में उठाना जायज नहीं है। नगर-निगम के सदन में नगर-निगम के हित की चर्चा होनी चाहिए।'

एमसीडी सदन में भाजपा का विरोध प्रदर्शन

नेता विपक्ष राजा इक़बाल सिंह ने कहा कि आज किस लिए सदन बुलाया गया है, हमें नहीं बताया गया। सुविधाओं की मांग को लेकर कर्मचारी हाउस के बाहर बैठे हैं। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाइयां दी जा रही हैं। हम मांग करते हैं कि सौरभ भारद्वाज को गिरफ्तार किया जाए। वहां भाजपा पार्षदों ने नारे लगाए- 'महापौर जवाब दो, रभ भारद्वाज को गिरफ्तार करो। भाजपा के विरोध में AAP पार्षदों ने भी नारेबाजी की। इस कारण सदन में भारी हंगामा हुआ।

दिल्ली में जल संकट से जल्द मिलेगी राहत, आतिशी ने मुख्यसचिव को लिखा पत्र; कही ये बात

देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर पानी का संकट छाया है। कई इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित है। इसका कारण है यमुना के जल में अमोनिया के स्तर की बढ़ोतरी। इसे लेकर केजरीवाल सरकार का दावा है कि इस समस्या के समाधान के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया था लेकिन उन्होंने समय से काम नहीं किया।

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर पानी का संकट छाया है। कई इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित है। इसका कारण है यमुना के जल में अमोनिया के स्तर की बढ़ोतरी। इसे लेकर केजरीवाल सरकार का दावा है कि इस समस्या के समाधान के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया था लेकिन उन्होंने समय से काम नहीं किया।

जल मंत्री आतिशी ने ट्वीट कर कहा, यमुना में अमोनिया का स्तर अधिक होने के कारण हाल के दिनों में पूरी दिल्ली में पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह बार-बार आने वाली समस्या है।

मुख्यमंत्री ने मार्च में ही दे दिए थे आदेश

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड को मार्च में वजीराबाद में अमोनिया ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के निर्देश दिए थे। 6 महीने के अंदर काम पूरा करना था लेकिन लगातार फॉलोअप लेने के बाद भी जल बोर्ड ने प्रोजेक्ट शुरू भी नहीं किया।

आतिशी ने आगे लिखा, मैंने मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इस परियोजना के लिए टेंडर 15 जनवरी तक जारी किया जाए और सीएम इसकी निगरानी करेंगे। यह इसलिए जरूरी है ताकि दिल्ली के लोगों को बार-बार होने वाली इस समस्या से परेशानी न उठानी पड़े।

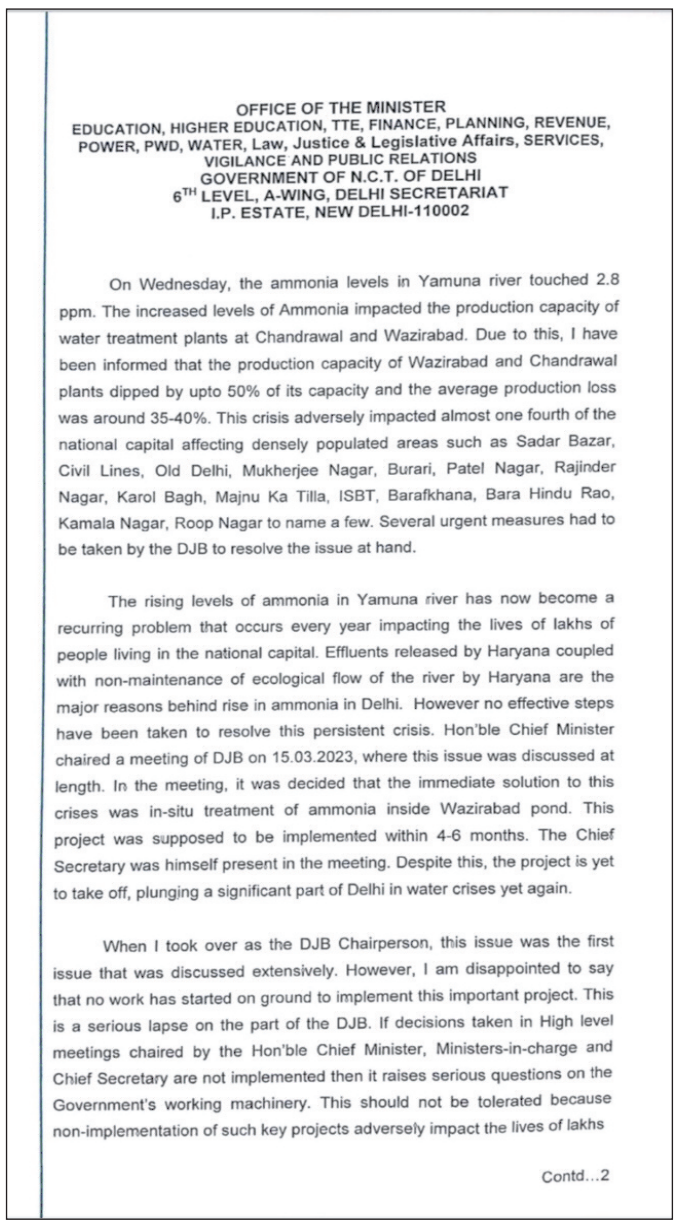

OFFICE OF THE MINISTER
EDUCATION, HIGHER EDUCATION, TTE, FINANCE, PLANNING, REVENUE, POWER, PWD, WATER, Law, Justice & Legislative Affairs, SERVICES, VIGILANCE AND PUBLIC RELATIONS
GOVERNMENT OF N.C.T. OF DELHI
6TH LEVEL, A-WING, DELHI SECRETARIAT
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

On Wednesday, the ammonia levels in Yamuna river touched 2.8 ppm. The increased levels of Ammonia impacted the production capacity of water treatment plants at Chandrawal and Wazirabad. Due to this, I have been informed that the production capacity of Wazirabad and Chandrawal plants dipped by upto 50% of its capacity and the average production loss was around 35-40%. This crisis adversely impacted almost one fourth of the national capital affecting densely populated areas such as Sadar Bazar, Civil Lines, Old Delhi, Mukherjee Nagar, Burari, Patel Nagar, Rajinder Nagar, Karol Bagh, Majnu Ka Tilla, ISBT, Barafkhana, Bara Hindu Rao, Kamala Nagar, Roop Nagar to name a few. Several urgent measures had to be taken by the DJB to resolve the issue at hand.

The rising levels of ammonia in Yamuna river has now become a recurring problem that occurs every year impacting the lives of lakhs of people living in the national capital. Effluents released by Haryana coupled with non-maintenance of ecological flow of the river by Haryana are the major reasons behind rise in ammonia in Delhi. However no effective steps have been taken to resolve this persistent crisis. Hon'ble Chief Minister chaired a meeting of DJB on 15.03.2023, where this issue was discussed at length. In the meeting, it was decided that the immediate solution to this crises was in-situ treatment of ammonia inside Wazirabad pond. This project was supposed to be implemented within 4-6 months. The Chief Secretary was himself present in the meeting. Despite this, the project is yet to take off, plunging a significant part of Delhi in water crises yet again.

When I took over as the DJB Chairperson, this issue was the first issue that was discussed extensively. However, I am disappointed to say that no work has started on ground to implement this important project. This is a serious lapse on the part of the DJB. If decisions taken in High level meetings chaired by the Hon'ble Chief Minister, Ministers-in-charge and Chief Secretary are not implemented then it raises serious questions on the Government's working machinery. This should not be tolerated because non-implementation of such key projects adversely impact the lives of lakhs

Contd...2

-2-

of Delhiites. It was the Jal Board that had committed to the timeline of 4-6 months for completing this project. The department must strictly adhere to timelines committed by them in such high level meetings, especially if it pertains to key projects such as this project. The Government and bureaucracy is here to serve the people and not to cause them any inconvenience.

The Chief Secretary is hereby directed to :

1. Put up a report by 01.01.2024 as to why there has been such a serious delay in setting up the in-situ ammonia treatment plant at Wazirabad pond.
2. Submit a timeline by 01.01.2024 as to when the in-situ ammonia treatment plant will be functional and to personally monitor the swift implementation of this project
3. Ensure that tender for the in-situ ammonia treatment plant gets floated, latest by 15th January

(ATISHI)
Minister (Water)/ Chairperson, DJB

Chief Secretary

Despatch No. Min. (Edu.) 6387-6390
Dated 28.12.2023

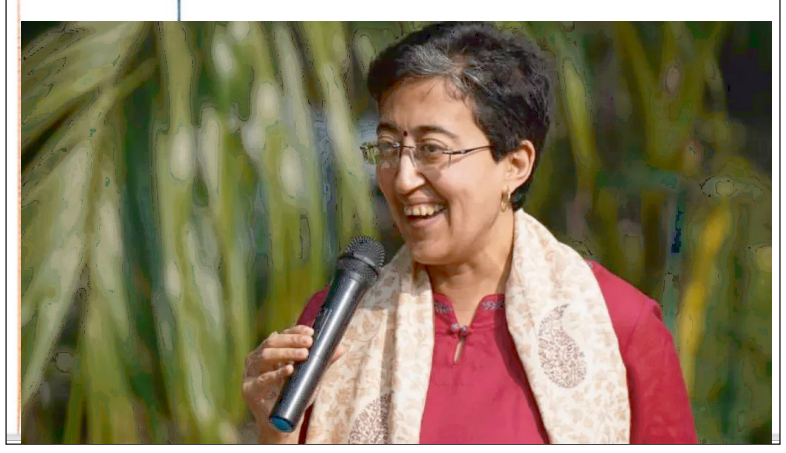

इन्हें 21 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनआईए मामले में हिरासत में रहते हुए गिरफ्तार किया था।

पटियाला हाउस कोर्ट ने पांच पीएफआई सदस्यों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

परिवहन विशेष न्यूज

पटियाला हाउस कोर्ट ने पांच पीएफआई सदस्यों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा पीएफआई मनी लॉन्ड्रिंग मामला में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने आज बृहस्पतिवार को पांच पीएफआई सदस्यों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि इन्हें 21 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनआईए मामले में हिरासत में रहते हुए गिरफ्तार किया था।

नई दिल्ली। पीएफआई मनी लॉन्ड्रिंग मामला में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने आज बृहस्पतिवार को पांच पीएफआई सदस्यों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि इन्हें 21 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनआईए मामले में हिरासत में रहते हुए गिरफ्तार किया था।

वैकेशन जज छवि कपूर ने ईडी के वकील की दलीलें सुनने के बाद पांचों आरोपियों अब्दुल रहिमान, अनीस अहमद, अफसर पाशा, एएस इस्माइल और मोहम्मद शकीफ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कोर्ट ने ईडी से पूछा ये सवाल

आरोपियों को छह दिन की ईडी की कस्टडी खत्म होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था। इन लोगों की गिरफ्तारी ईडी ने 21 दिसंबर को की थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि गिरफ्तारी के दौरान क्या सबूत मिले हैं। इस पर ईडी के वकील मनीष जैन ने जवाब दिया, आरोपियों का कस्टडी के दौरान सबूतों से सामना कराया गया था जो छापे में बरामद हुए थे।

ईडी से पहले एनआईए ने की थी गिरफ्तारी

ईडी ने सभी आरोपियों को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार किया है। इससे पहले इन सभी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार किया था।

नकली दवा मामले में बुरी फंसी दिल्ली सरकार! CBI जांच के लिए MHA को सतर्कता विभाग ने भेजा मामला

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पिछले हफ्ते उन दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जो गुणवत्ता मानक परीक्षण में विफल पाई गई थीं और जिनसे जान को खतरा होने की आशंका थी। अब सतर्कता विभाग ने भी सीबीआई से जांच कराने के लिए मामले को गृह मंत्रालय के पास भेजा है। ऐसे में एक बार फिर दिल्ली सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में नकली दवा की सप्लाई मामले का मुद्दा गर्माया हुआ है। नकली दवा के मामले में दिल्ली सरकार फंसती नजर आ रही है। सतर्कता विभाग ने मामले की सीबीआई से जांच कराने के लिए गृह मंत्रालय के पास भेजा है। ऐसे में अब शराब पॉलिसी से जुड़े घोटाले की जांच का सामना कर रही दिल्ली सरकार को एक और जांच का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि इससे पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पिछले हफ्ते उन दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, जो गुणवत्ता मानक परीक्षण में विफल पाई गई थीं और जिनसे जान को खतरा होने की आशंका थी।

ठंड के चलते गौतमबुद्धनगर में 12वीं तक के स्कूल बंद, जानिए अब कब खुलेंगे

परिवहन विशेष न्यूज

भीषण ठंड और कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिले के कक्षा 12वीं तक के स्कूल 29 व 30 दिसंबर को बंद रहेंगे। 31 दिसंबर को रविवार होने के कारण सार्वजानिक अवकाश है। परिषदीय स्कूलों में 31 से 14 जनवरी तक शीत कालीन अवकाश रहेगा। 15 जनवरी से स्कूल अपने निर्धारित समय पर खेलेंगे।

ग्रेटर नोएडा। भीषण ठंड और कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिले के कक्षा 12वीं तक के स्कूल 29 व 30 दिसंबर को बंद रहेंगे। 31 दिसंबर को रविवार होने के कारण सार्वजानिक अवकाश है।

स्कूलों में दो दिन की छुट्टी

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार ने आदेश के मुताबिक, घने कोहरे और अत्यधिक सर्दी के कारण गौतमबुद्धनगर में संचालित समस्त बोर्ड से मान्यता प्राप्त कक्षा 12वीं तक के विद्यालयों में 29 दिसंबर से 30 दिसंबर 2023 तक अवकाश रहेगा।

31 दिसंबर से 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश

इसके अलावा यूपी के स्कूलों में 31 दिसंबर 2023 से 14 जनवरी 2024 तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इसके बाद स्कूल 15 जनवरी से नियमित तौर पर खोले जाएंगे। मतलब छात्रों के लिए अब सीधे 15 जनवरी को स्कूल खोले जाएंगे।

प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान पर सरकार दे रही भारी छूट, ब्याज माफी के लिए बचे मात्र इतने दिन

हरियाणा सरकार ने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने वालों को पूरे ब्याज माफी तथा शेष बची राशि पर 15 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की थी। अब इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में गुरुग्राम के तीनों कार्यालयों में स्थित नागरिक सुविधा केंद्रों पर शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रहेंगे।

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की अधिसूचना अनुसार, नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र के प्रॉपर्टी मालिकों को दी जा रही ब्याज माफी तथा 15 प्रतिशत छूट का लाभ पाने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। नगर निगम गुरुग्राम के तीनों कार्यालयों में स्थित नागरिक सुविधा केंद्रों पर शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रहेंगे।

प्रॉपर्टी टैक्स पर ब्याज माफी

रविवार को रात 12 बजे तक भुगतान काउंटर खुले रखने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि हरियाणा सरकार द्वारा 31 दिसंबर तक प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करने वालों को पूरे ब्याज माफी तथा शेष बची राशि पर 15 प्रतिशत छूट देने की अधिसूचना जारी की गई थी। अब इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए केवल तीन दिन शेष रह गए हैं।

इसलिए नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शनिवार व रविवार को भी भुगतान काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया गया है ताकि, अधिक प्रॉपर्टी मालिक इस मौके का फायदा उठा सकें। प्रॉपर्टी टैक्स में ब्याज माफी व 15 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए एनडीसी पोर्टल पर अपने प्रॉपर्टी डाटा को स्व-प्रमाणित करके संपूर्ण बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करना अनिवार्य है।

500 डिफाल्टरों की सूची तैयार

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा निर्णय लिया गया है कि जो बड़े प्रापर्टी टैक्स डिफाल्टर हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत प्रथम चरण में टाप-500 डिफाल्टरों की सूची तैयार करके उन पर कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा उनकी प्रापर्टी के सीवर पानी कनेक्शन काटने के साथ ही प्रापर्टी को सील करने व नीलाम करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश के कारीगर विदेश में बनाएंगे घर, हर महीने मिलेगी लाखों की सैलरी; जानिए आवेदन का तरीका

परिवहन विशेष न्यूज

हमास के साथ युद्ध के बाद इजरायल में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। क्षतिग्रस्त और नई इमारतों के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुशल कारीगरों को बुलावा भेजा गया है। इजरायल जाने के इच्छुक कारीगरों की सूची शासन को 10 जनवरी तक भेजी जाएगी। इजराइल जाने के इच्छुक उक्त कार्यों के कुशल कारीगर अपना आवेदन श्रम कार्यालय में आकर कर सकते है।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के कारीगरों को भारत सरकार की ओर से पूर्ण सुरक्षा के साथ इजरायल में इमारतों के निर्माण लिए भेजा जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विभिन्न जिलों से 10 हजार राज मिस्त्री, सेटरिंग, टाइल्स-पत्थर व आयरन वेल्डिंग के कारीगरों की मांग की गई है।

10 जनवरी तक भेजी जाएगी सूची

शुरूआत में गाजियाबाद, हापुड़ और टाइल्स-पत्थर के 184 कुशल कारीगरों ने इजरायल जाने की हामी भर दी है। इजरायल जाने के इच्छुक कारीगरों की सूची शासन को 10 जनवरी तक भेजी जाएगी। हमास के साथ युद्ध के बाद इजरायल में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। क्षतिग्रस्त और नई इमारतों के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कुशल कारीगरों को बुलावा भेजा गया है।

इन कारीगरों को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन कार्यरत एजेंसी राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) और इजराइल सरकार के अधीन कार्यरत एजेंसी पपुलेसन एंड इमिग्रेसन अथोरिटी (पीआइबीए) ने इजराइल के लिए बुलावा भेजा है, जिसमें शासन की ओर से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से दो हजार राजमिस्त्री, दो हजार टाइल्स-पत्थर मिस्त्री, तीन हजार सेटरिंग और तीन हजार आयरन बेल्डिंग के लिए कुशल कारीगरों को चिह्नित किया जा रहा है।

इतने लोगों ने जाने की भरी हामी

शुरूआत में गाजियाबाद से 138, हापुड़ से 32 और बुलंदशहर से 14 समेत कुल 184 कुशल कामगारों ने इजराइल जाने की हामी भरी है। श्रम विभाग की ओर से निर्माण साइट और लेबर चौक पर इस संबंध में कुशल कारीगरों को तलाशकर इसकी जानकारी दी जा रही है।

इजराइल जाने के आवेदन की शर्ते-

राज मिस्त्री, टाइल्स-पत्थर, सेटरिंग एवं वेल्डिंग कुशल कारीगर की उम्र 21 से 45 वर्ष- कार्य का अनुभव तीन वर्ष

वोटर कार्ड, पेनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रमाणित सरकारी फोटो युक्त अभिलेख- पासपोर्ट (यदि नही है, तो तत्काल बनवाया जा सकता है)

श्रमिक को बेसिक अंग्रेजी बोलना या समझना जरूरी

सुविधाएं -

वेतन प्रतिमाह- 1,37,000 रुपये। इसके अलावा बोनस, ओवर टाइम, मेडिकल एवं दुर्घटना बीमा की सुविधा दी जाएगी। कारीगरों को सुरक्षित स्थान पर निवास की सुविधा मिलेगी। इस दौरान एक से पांच वर्ष तक का करार होगा। हालांकि, बीच में आ सकते हैं।

इजराइल जाने के इच्छुक उक्त कार्यों के कुशल कारीगर अपना आवेदन श्रम कार्यालय लोहिया नगर गाजियाबाद में आकर कर सकते है। आवेदन की अधिक जानकारी के लिए कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है। इसके लिए मोबाइल नंबर 8303521529 और 9250522228 पर कॉल कर सकते हैं। - अनुराग मिश्रा, उप श्रमायुक्त गाजियाबाद क्षेत्र

एसीपी रूद्र कुमार सिंह का तबादला, कोतवाली में विदाई समारोह आयोजित

एसीपी रूद्र कुमार सिंह का तबादला अन्य जनपद में होने पर बुधवार को कोतवाली में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपजिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह व पुलिसकर्मियों ने फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं देते हुए उनको विदा किया। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह चौहान ने बताया कि एसीपी रूद्र कुमार सिंह दो बार जेवर में एसीपी रह चुके हैं।

जेवर। एसीपी रूद्र कुमार सिंह का तबादला अन्य जनपद में होने पर बुधवार को कोतवाली में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपजिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह व पुलिसकर्मियों ने फूलमाला पहनाकर शुभकामनाएं देते हुए उनको विदा किया। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह चौहान ने बताया कि एसीपी रूद्र कुमार सिंह दो बार जेवर में एसीपी रह चुके हैं। इससे पूर्व 2021 में एसीपी पद पर रहे। दोनों बार जेवर में उनका कार्यकाल एक-एक वर्ष के करीब रहा है। स्पष्ट व साफसुथरी छवि की वजह उन्होंने क्षेत्र के लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई, क्षेत्र के लोग उन्हें काफी पसंद करते थे। उनका तबादला मुरादाबाद जनपद में होने पर बृहस्पतिवार को नए एसीपी प्रवीण कुमार कार्यभार संभालेंगे।

रस्सी से गला दबाकर महिला की हत्या, शव फेंका; हाथ पर गुदे मिले दो नाम

गुरुग्राम के राजेंद्रा पार्क थाना क्षेत्र में रस्सी से गला दबाकर महिला की हत्या के बाद उसका शव फेंक दिया गया। मंगलवार रात चंदू रोड पर सड़क किनारे खेत से उसका शव बरामद किया गया। बुधवार को हुए पोस्टमार्टम में रस्सी से गला दबाने की बात सामने आई है। वहीं अब तक थाने में किसी प्रकार का मामला दर्ज नहीं हुआ है।

गुरुग्राम। राजेंद्रा पार्क थाना क्षेत्र में रस्सी से गला दबाकर महिला की हत्या के बाद उसका शव फेंक दिया गया। मंगलवार रात चंदू रोड पर सड़क किनारे खेत से उसका शव बरामद किया गया। बुधवार को हुए पोस्टमार्टम में रस्सी से गला दबाने की बात सामने आई है। वहीं अब तक थाने में किसी प्रकार का मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात एक राहगीर ने राजेंद्रा पार्क थाना क्षेत्र के चंदू रोड पर सड़क किनारे खेत में महिला का शव पड़ा होने की सूचना कंट्रोल रूम में दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। महिला की उम्र 25 से 30 साल बताई गई है। अभी शव की पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले। उसके बाएं हाथ पर कविता देवी और नकुल यादव दो नाम गुदे हुए मिले हैं। पुलिस यह अंदाजा लगा रही है कि महिला का नाम कविता देवी व उसके पति का नाम नकुल यादव हो सकता है। वहीं बुधवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया। पैनल में मौजूद एक डाक्टर के अनुसार महिला की रस्सी से गला दबाकर हत्या की गई। वहीं इसके अलावा शरीर पर अन्य कोई चोट नहीं है। दूसरी ओर अभी पुलिस ने किसी तरह का मामला दर्ज नहीं किया है। पुलिस हाथ में गुदे नामों के जरिए आसपास के गांवों में उसकी पहचान की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस की जाट राजनीति का टूल हैं पहलवान

डॉ. आशीष वशिष्ठ

माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है।

किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पहलवानों के जरिए अपनी जाट राजनीति को आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस की इस राजनीति में अतिमहत्वकांक्षी पहलवान शामिल हैं। साक्षी मलिक की कुश्ती से संन्यास, बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट की सम्मान वापसी इसी ओर इशारा करती है कि, पहलवानों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। नाराज पहलवानों से मिलने प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी का पहुंचना पूरी तरह साफ करता है कि, पहलवान कांग्रेस के की जाट राजनीति के टूल हैं। पहलवान आंदोलन में हरियाणा के युवा जाट नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की सहभागिता और सक्रियता सार्वजनिक है। जंतर मंतर में पहलवानों के धरने के दौरान प्रियंका पहलवानों से मिलने गई थी। ऊपरी तौर पर लड़ाई भले ही पहलवानों और कुश्ती संघ के बीच दिखाई देती हो, लेकिन इसके जड़ में जाट वोटों की राजनीति है।

माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है।

हरियाणा में जाटों की आबादी 25 फीसदी है। पंजाब में भी जाटों की जनसंख्या 25 से 30 प्रतिशत आंकी जाती है। राजस्थान में 12 और दिल्ली में 12 फीसदी आबादी इसी बिरादरी की है। 22 करोड़ की जनसंख्या वाले यूपी में जाटों की आबादी महज दो फीसदी मानी जाती है, मगर पश्चिम उत्तर प्रदेश की 18 लोकसभा सीटों पर जाति का दबदबा है।

हरियाणा में पिछले दस साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। किसान आंदोलन के बाद से कांग्रेस को हरियाणा में राजनीतिक संभावनाएं अपने पक्ष में दिखाई देती हैं। उसे लगता है कि किसान और पहलवानों के कंधों पर सवार होकर भाजपा को हरियाणा की सत्ता से बाहर किया जा सकता है। वहीं लोकसभा चुनाव में हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के जाट वोटरों के प्रभाव वाली सीटों में भी उसे इसका फायदा मिलेगा।

जाट बिरादरी के बड़े गढ़ हरियाणा में कांग्रेस पिछले दस साल से सत्ता से दूर है। हरियाणा से गांधी परिवार के करीबी कई बड़े जाट नेता हैं। जिनमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रणदीप सिंह सुरजेवाल, दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख हैं। लेकिन इन नेताओं के सारे यत्नों और प्रपंचों के बावजूद हरियाणा में उनकी दाल गल नहीं रही। 2019 के लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दस सीटों पर मोदी की सुनामी के आगे किसी राजनीतिक दल की नहीं चली। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी धराशायी हो गई। भाजपा ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए यहां सभी दस सीटों पर विजय पताका फहराई थी।

कांग्रेस के बड़े जाट नेता भूपेंद्र हुड्डा सोनीपत और उनके पुत्र दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से हार गए। भूपेंद्र और दीपेंद्र के अलावा कांग्रेस के दिग्गज नेता कुमारी शैलजा, निर्मल सिंह, कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर, कैप्टन अजय यादव और अवतार भड़ाना को भी हार का मुंह देखना पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल यानी इनेलो को हराकर हरियाणा में सात सीटें जीती थी। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से जीते थे। इनेलो ने हिसार व सिरसा की दो सीटें जीती थी।

साल 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 90 सीटों में से 47 पर विजय हासिल कर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 40 सीटें जीती और दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी यानी जजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। पिछले दस साल से बीजेपी की हरियाणा में सरकार है। जाट बहुल जनसंख्या वाले राज्य हरियाणा में बीजेपी की मजबूती और पकड़ कांग्रेस को अखर रही है। प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के बाद से कांग्रेस ने किसी न किसी तरह मनोहर लाल की सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की। जाट आरक्षण, किसान आंदोलन और पहलवान आंदोलन में कांग्रेस की भूमिका सार्वजनिक है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद साल 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में योगी सरकार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तमाम विरोधों और आंशकाओं के बाद भी 37 साल बाद उत्तर प्रदेश में ऐसा हुआ कि किसी दल ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई हो। चुनाव से पहले प्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी जाट बेल्ट में भाजपा को नुकसान की आशंका राजनीति के जानकार बता रहे थे।

कांग्रेस ने यह चुनाव यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में लड़ा। कांग्रेस की सारी रणनीति और पैंतरेबाजी की बावजूद पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया। उसे दो सीटों पर जीत मिली। जाट बेल्ट में तो उसका खाता ही नहीं खुला। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था, और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी। तब पश्चिम उत्तर प्रदेश से उसके दो विधायक बेहट ओर सहारनपुर सीट जीते थे।

वर्तमान में यूपी में कांग्रेस दो विधायक हैं। जो प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र से हैं। सोनिया गांधी यूपी से एकमात्र कांग्रेस सांसद हैं। 100 सदस्यों की विधान परिषद में उसकी सदस्य संख्या शून्य है। साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से बुरी तरह बेदखल किया। 117 सीटों में से 92 सीटें आप ने जीती तो कांग्रेस के हिस्से में मात्र 18 सीटें आई। भाजपा और शिरोमणि दल का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पंजाब में भी जाट वोटर हार जीत में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। राजस्थान में भी जाट वोटों की बड़ी अहमयित है। हालिया विधानसभा चुनाव में राजस्थान में भाजपा ने कांग्रेस को बड़ी शिकस्त देकर सत्ता से बेदखल किया है। राजस्थान में बिश्नोई बहुल 27 सीटों में से 24 पर भाजपा की जीत हुई है। हरियाणा से सटे राजस्थान की अधिकतर सीटों पर भाजपा उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनके जाट बहुल होने के बावजूद जननायक जनता पार्टी और कांग्रेस का प्रदर्शन फीका रहा।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस की सरकारों ने लंबे समय तक राज किया है। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो जाट वोटरों के प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस की ताकत लगातार कमजोर हुई है। कांग्रेस के अलावा जाट वोटों की राजनीति करने वाले इंडियन नेशनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और अन्य दल भी बीजेपी के सामने कमजोर दिखाई देते हैं। दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस को जाट वोटरों के हिसाब से उम्मीद की रोशनी हरियाणा में सबसे ज्यादा दिखाई देती है। अगले साल आम चुनाव के बाद साल के आखिरी महीनों में हरियाणा विधानसभा के चुनाव होंगे। ऐसे में उसका फोकस लोकसभा चुनाव में जाट वोटरों का समर्थन पाने और हरियाणा की सत्ता की हासिल करने पर है। अपने मंसूबे पूरे करने के लिए किसान आंदोलन के बाद अब कांग्रेस पहलवानों के जरिए जाट वोटरों को अपने पाले में लाने और बीजेपी की जाट बिरादरी में नेगेटिव छवि बनाने की कोशिशों में जुटी है। आंदोलन वाले पहलवानों को पार्टी की ओर लोकसभा और विधानसभा चुनाव में टिकट देने की बात कही गई है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अपमान से जाट समाज के अंदर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को लेकर रोष का भाव है। ऐसे में बाज़ी हाथ से खिसकते देख विपक्ष खासकर कांग्रेस ने, जाट वोट बैंक के लिये साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया आदि पहलवानों को आगे कर दिया। सभी घड़ियाली आंसू बहा रहे है। पहलवानों को न्याय मिलना चाहिए लेकिन जब, मामला ही कोर्ट में है तो थोड़ा इंतजार किया जाना चाहिये, दोषी को सजा कोर्ट देगा, प्रधानमंत्री मोदी या बीजेपी नहीं। पहलवान देश की न्यायपालिका पर ही विश्वास नही करते। पहलवानों को अगर राजनीति ही करनी है या राजनीति का मुखौटा ही बनना है तो फिर राजनीति ही करो, खेल को बीच में क्यों ला रहे हो। पहलवानों को समझना चाहिए इस सारी राजनीति में सबसे बड़ा नुकसान कुश्ती के खेल का हो रहा है।

सेफ्टी रेटिंग के कारण बढ़ी टाटा से लेकर महिंद्रा तक के टॉप गाड़ियों की सेल, यहां पढ़ें अधिक डिटेल्स

भारत में हर साल हजारों की संख्या में दुर्घटना होती है। जिसके कारण कुछ लोगों की मौत हो जाती है और कुछ ठीक भी हो जाते हैं। इस समय मार्केट में टाटा मोटर्स और महिंद्रा भारत में मास मार्केट सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कार बनाने वाली कंपनी बन गई है। टाटा अल्ट्रोज़ भारतीय बाजार में प्रीमियम हैचबैक कार में से एक है।

नई दिल्ली। भारत उन शीर्ष देशों में से एक है जहां पर हर साल सड़क दुर्घटनाओं की चिंताजनक संख्या दर्ज की जाती है। आज के समय में जो लोग अपने लिए एक नई कार खरीदने जाते हैं वो कार माइलेज, फीचर्स और सेफ्टी के बारे में जानते हैं। भारत में हर साल हजारों की संख्या में दुर्घटना होती है। जिसके कारण कुछ लोगों की मौत हो जाती है और कुछ ठीक भी हो जाते हैं। इसके कारण सरकार भी काफी सख्त भी हो गई है।

इस समय मार्केट में टाटा मोटर्स और महिंद्रा भारत में मास मार्केट सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कार बनाने वाली कंपनी बन गई है। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सुरक्षित कारों की डिटेल्स लेकर आए हैं।

Tata Altroz

टाटा अल्ट्रोज़ भारतीय बाजार में प्रीमियम हैचबैक कार में से एक है। जनवरी 2020 में इस कार को ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में पांच स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली है। इसने FY2020 में 8,458 यूनिट्स की सेल की है। जबकि कार ने FY2021 और FY2022 में क्रमश 60,379 यूनिट्स और 62,247 यूनिट्स की सेल की है। पिछले वित्त वर्ष में इस प्रीमियम हैचबैक की 57,819 यूनिट्स बिकीं।

Mahindra XUV300

भारतीय बाजार में सबसे अधिक मांग वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में महिंद्रा एक्सयूवी300 है। जनवरी 2020 में ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में फाइव-स्टार रेटिंग मिलने के बाद XUV300 की बिक्री बढ़ गई है। एसयूवी ने FY2020 में 37,576 यूनिट्स दर्ज कीं, जबकि अगले वित्तीय वर्षों में, इसने पिछले वित्तीय वर्ष तक 35,965 यूनिट्स, 50,260 यूनिट्स और 60,968 यूनिट्स की सेल की है।

Tata punch

टाटा भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। टाटा मोटर्स की माइक्रो एसयूवा पंच की ब्रिकी में सुधार देखने को मिला है। FY2021 में इसकी 52,698 यूनिट्स बिकीं, जबकि अक्टूबर 2021 में फाइव-स्टार रेटिंग मिलने के बाद FY2022 में इसकी बिक्री बढ़कर 52,716 यूनिट्स और FY2023 में 99,750 यूनिट्स की हो गई है।

Mahindra XUV700

महिंद्रा की एक और कार फाइव-स्टार ग्लोबल NCAP सुरक्षा रेटिंग वाली है। इसे नवंबर 2022 में जीएनसीएपी से पांच सितारा रेटिंग प्राप्त हुई, जिससे वित्त वर्ष 2022 में इसकी बिक्री संख्या बढ़कर 66,473 इकाई हो गई। वहीं पिछले वित्त वर्ष में 25,261 यूनिट्स की थी। FY2023 में, SUV की 63,123 यूनिट्स की सेल की गई।

ऑडी इंडिया ने लगाया देश का पहला अल्ट्रा फास्ट चार्जिंग प्वाइंट, मार्च 2024 तक होगी फ्री चार्जिंग

Audi India और ChargeZone ने 450 किलोवाट की क्षमता वाले भारत के पहले अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया है। नया आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन शहर के सभी ईवी मालिकों के लिए उपलब्ध होगा। ऑडी इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को मार्च 2024 तक मुफ्त चार्जिंग का लाभ मिलेगा। ऑडी इंडिया ने मायऑडी कनेक्ट मोबाइल पर ई-ट्रॉन हब भी बनाया है जो अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करेगा।

नई दिल्ली। Audi India और ChargeZone ने 450 किलोवाट की क्षमता वाले भारत के पहले अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया है। पहला आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्थित है और 500 Amp लिक्विड-कूल्ड गन द्वारा सक्षम इलेक्ट्रिक वाहन को 360 किलोवाट तक बिजली प्रदान कर सकता है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

मार्च 2024 तक होगी फ्री चार्जिंग

नया आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन शहर के सभी ईवी मालिकों के लिए उपलब्ध होगा। ऑडी इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को मार्च 2024 तक मुफ्त चार्जिंग का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, ऑडी ई-ट्रॉन मालिकों को स्टेशन पर अपनी कारों को चार्ज करने पर स्टारबक्स से कॉफी वाउचर भी मिलेगा।

कंपनी का कहना है कि इन चार्जिंग स्टेशनों को किसी भी सहायता के लिए उपलब्ध प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा संचालित किया जाएगा, जबकि ईवी मालिकों के लिए अपने वाहन को प्लग इन करने के दौरान आराम करने के लिए एक लाउंज भी होगा।

ई-ट्रॉन हब से खोजें चार्जिंग स्टेशन

ऑडी इंडिया ने मायऑडी कनेक्ट मोबाइल पर 'ई-ट्रॉन हब' भी बनाया है जो अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करेगा। नया ऐप बड़े पैमाने पर ईवी खरीदारों के लिए ग्राहक-केंद्रित जानकारी प्रदान करता है और पांच भागीदारों - आर्गो ईवी स्मार्ट, चार्ज जोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लायनचार्ज और जोन चार्जिंग द्वारा चार्जिंग स्टेशन भी दिखाएगा।

ऑडी इंडिया ने देश के 73 शहरों में 140 से अधिक चार्जर स्थापित किए हैं, जो कंपनी के डीलरशिप और सर्विस सेंटरों और चुनिंदा स्कोडा वोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (SAVWIPL) समूह डीलरशिप तक फैले हुए हैं। ऐप पर ऑडी ई-ट्रॉन मालिकों के लिए 1,000 से अधिक चार्जपॉइंट उपलब्ध हैं, आने वाले महीनों में और भी जोड़े जाएंगे।

7 सीटर कार खरीदने की कर रहे हैं तैयारी, थोड़ा और कर लीजिए सब्र! 2024 में आने वाली हैं ये धांसू गाड़ियां

आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसके साथ ही Nissan X-Trail नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स-ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार कारें मौजूद है। अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आने वाले दिनों में कई गाड़ियां लॉन्च होने वाली है। क्योंकि आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। चलिए देखते हैं इनमें क्या कुछ खास है और ये कब तक लॉन्च होंगी।

Hyundai Alcazar

Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसमें पिछले मॉडल के मुकाबले कई कॉस्मेटिक बदलाव होने वाला है। इंटीरियर में लेवल 2 ADAS मिल सकता है। Alcazar को पहले की तरह नए 1.5 लीर पेट्रोल मिल के साथ सेल किया जाएगा।

Nissan X-Trail

आपकी जानकारी के लिए बता दें, नई निसान एक्स-ट्रेल ने पिछले साल नई दिल्ली में ही अपनी शुरुआत की थी। इसकी रोड टेस्टिंग कई बार की गई है। ये कार यूरोप में 5 और 7 सीट के ऑप्शन में आती है। ये नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स-ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

5-Door Force Gurkha

फोर्स मोटर्स भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च हो सकती है। इसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये एक ऑफ रोड कार होगी। ये महिंद्रा थार और जिम्नी को टक्कर देगी। ये कार अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है।

5 Door Mahindra Thar

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी जिम्नी को टक्कर देने के लिए महिंद्रा 5 डोर थार को जल्द ही लॉन्च करेगी। इस एसयूवी का व्हीलबेस काफी लंबा होगा इतना ही नहीं ये 3 डोर वाली थार से कई दमदार फीचर्स से लैस होगी। लेकिन डिजाइन में मामूली बदलाव ही होगा।

Mahindra Bolero Neo Plus

महिंद्रा की एक और गाड़ी मार्केट में अगले साल तक लॉन्च होने वाली है। आने वाले महीनों में बोलेरो नियो प्लस लॉन्च करेगी। इसे TUV300 प्लस का नए वेरिएंट के कई सिंटिग लेआउट में सेल किया जाएगा। यह 2.2L चार-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन से लैस होगी। इसे 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

महिंद्र बोलेरो न्यू को खरीदने का शानदार मौका, एसयूवी पर बंपर छूट; 99,500 रुपये तक की होगी बचत

वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें फीचर्स के तौर पर ड्राइवर आर्मरेस्ट मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है।

दिल्ली। देश में त्यौहारी सीजन आ चुका है, ऐसे में अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो महिंद्रा आपको शानदार मौका दे रही है। वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। वर्तमान में कंपनी ने एसयूवी को कुल चार वेरिएंट्स N4, N8, N10 और N10(O) में पेश किया है, जिसकी कीमत 9.64 लाख रुपये से शुरू होती है।

Mahindra Bolero Neo वेरिएंट वाइज ऑफर

महिंद्रा बोलेरो नियो पर वेरिएंट वाइज छूट- N4 पर कंपनी कुल 59 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। वहीं इसके N8 पर 64,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। N10 पर 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। इतना ही नहीं इसके N10(O) पर कंपनी 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, ये ऑफर 30 नवंबर तक की वैलिड है। ये ऑफर कोलकाता, पश्चिम बंगाल और सिक्किम क्षेत्र में ही सीमित है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Mahindra Bolero Neo इंजन

इंजन की बात करें तो बोलेरो नियो बीएस 6 चरण 2-अनुपालक 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ आता है। इसे पांच -स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के माध्यम से पीछे के व्हील पर पावर भेजी जाती है। जो 100bhp और 260Nm का टॉर्क जनरेट करता है। ये ऑफ रोडिंग के लिए काफी बेहतर है।

Mahindra Bolero Neo फीचर्स

इसमें फीचर्स के तौर पर स्टैटिक बेंडिंग हेडलैंप, एलईडी डीआरएल, अलॉय व्हील, 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्ट, ड्राइवर और को-ड्राइवर आर्मरेस्ट, मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट, इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है। क्रूज़ कंट्रोल और आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर भी इस एसयूवी के टॉप मॉडल में देखने को मिल जाता है।

कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया कुश्ती संघ के विवाद ने

अशोक मधुप

छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है।

पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी।

भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। कुछ महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। संजय सिंह के चुनाव के बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वहीं बजरंग पूनिया ने अपना 'पद्मश्री' लौटा दिया था। हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का ऐलान किया था।

दरअसल इस चुनाव को रद्द करने का कारण सरकार का सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका देना था। इनके बेटे और नजदीकियों ने अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा के बाद क्षेत्र में बड़े हार्डिंग लगवाए थे कि दबदबा तो है, दबदबा रहेगा...ये भगवान की देन है। ये वहीं पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। चुनाव के रद्द होने के बाद गाड़ियों से भी 'दबदबा' वाले स्टीकर और चौराहों पर लगे हार्डिंग भी हटा दिए गए। चुनाव के बाद नए अध्यक्ष की अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की

घोषणा और ये पोस्टर सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके नजदीकियों के इरादे बताने के लिए काफी था। वरन स्टेडियम तो पूरे देश में बने हैं। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है।

छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुश्ती को लेकर क्या करना है, इसका फैसला नए चुए गए पदाधिकारियों को करना है। उन्होंने कहा कि उनके पास कई और भी काम हैं। उन्होंने कहा कि वो इस खेल की राजनीति से दूर रहेंगे। ये घोषणा उन्होंने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नडडा से मिलने के बाद की। लगता है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा ने उन्हें समझा दिया कि टिकट बचाना है तो कुश्ती से दूर रहें। हालाकि उन्होंने कह दिया कि कुश्ती से उनका कोई लेना-देना नहीं है जबकि सच्चाई यह है पद से हटने के छह माह बाद भी कुश्ती संघ का कार्यालय उनके घर पर चल रहा है।

कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, "यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन-बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए। राजनीति की गई। जब हम पदक जीतते हैं तो देश के होते हैं। हम खिलाड़ी कभी भी जात-पात नहीं देखते। एक साथ एक थाली में खाते हैं। हम अपने तिरंगे के लिए खून-पसीना बहाते हैं। वहीं इस पर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा है कि यह उनका (बृजभूषण सिंह) राजनीतिक एजेंडा है, उस पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। साक्षी ने कहा कि उनकी 'लड़ाई सरकार से नहीं बल्कि एक व्यक्ति से है'। कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने एक निजी चैनल से बात करते हुए कहा, ₹ये अच्छी ख़बर है। हम चाहेंगे कि इस पद पर कोई महिला आनी चाहिए ताकि ये संदेश जाए कि महिलाएं आगे बढ़ें। जो भी हो कोई अच्छा आदमी आना चाहिए₹।

पिछले एक साल से चले आ रहे कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती का बहुत नुकसान पहुंचाया है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों के आरोप लगने के बाद से ही सरकार को उन्हें हटा देना चाहिए था, किंतु ऐसा नही हुआ। इसका परिणाम यह है कि आज अभिभावक खेल में अपनी बेटी का भेजते कई बार सोचेंगे।वे पहले ही अपनी बेटी की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चिंतित रहते हैं, इस प्रकरण ने उनकी चिंता और बढ़ायी है। अब वे बेटी को खेल विशेषकर कुश्ती में भेजते कई बार सोंचेंगे। सरकार ने नए चुनाव का भले ही रद्द कर दिया हो किंतु लंबे समय से कुश्ती संघ में दबदबा कायम रखें बृजभूषण सिंह और उनके नजदीकी चुप नहीं बैठने वाले नहीं हैं। वे सरकार के इस निर्णय के विरूद्ध कोर्ट जांएगे। इनका प्रयास होगा कि कुश्ती संघ उनके हाथ से न जा पाए।

सरकार ने नए चुनाव को रद्द करके यह संदेश देने का प्रयास किया है कि निश्चित रूप से कुश्ती संघ को नियमों का पालन करना होगा और किसी तरह की कोई कोताही बरतने से परहेज़ रखना होगा। खेल संघ से राजनैतिक लोगों को दूर रखने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। खिलाड़ी भी यदि राजनीति में आ जाए तो उसे भी खेल संघ से बाहर ही रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कार्ट भी खेल संघों में राजनैतिक दखल को लेकर चिंता जता चुका है। किंतु हुआ कुछ नहीं। खेल संघों में खिलाडी होने चाहिए। वे खेल और खिलाड़ी को ज्यादा समझते हैं। राजनेता नहीं। मंत्रालय को बेपटरी हुए कुश्ती संघ को पटरी पर लाने उसमें खिलाडियों और पहलवानों का विश्वास जमाने को बहुत कुछ करना होगा। संघ में खिलाड़ी लाने होंगे। अच्छा रहें कि कुश्ती संघ की गरिमा बचाने और बेटी की सुरक्षा की चिंता करते परिवारजनों को आश्वास्त करने के लिए कुश्ती संघ का अध्यक्ष किसी महिला खिलाड़ी को बनाए।

संपादक की कलम से

राम मंदिर सिर्फ सियासी नहीं

अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक उदाहरण है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। 1989 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्रों में भाजपा इसे शामिल करती रही है। एक राजनीतिक दल सांस्कृतिक विकास और बदलाव की बातें नहीं करता, क्योंकि वे चुनावी मुद्दे नहीं आंके जाते। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और धुरवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णतः गलत नहीं कहा है। शंकराचार्य को कांग्रेस और भाजपा में बांट कर नहीं देखा जा सकता। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है।

पार्टी ने इसे 'संविधान-विरोधी' करार दिया है, क्योंकि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष भारत' की बात कही गई है। हम इस दलील को नहीं मानते। वैसे भी वामपंथी दल वैचारिक और मानसिक स्तर पर चीन के ज्यादा करीब रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन युद्ध के दौरान भी देश का साथ नहीं दिया था। बहरहाल लोकतंत्र में राजनीति को खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीति से आम आदमी भी जुड़ा है। यदि भगवान राम के दर्शनार्थ अथवा नया, भव्य मंदिर देखने देश भर से भक्तगण उमड़ते हैं, अयोध्या में भक्ति और भजन की तरंगें प्रवाहित होती हैं, यदि विरोधी राजनीति के नेतागण भी अपने 'आराध्य' के लिए अयोध्या मंदिर में जुटते हैं, तो उसे महज 'राजनीति' भी न कहा जाए। भक्ति, अध्यात्म, दर्शन, आस्था और राजनीति की परिभाषाएं भिन्न हैं। बेशक राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा का राजनीतिक विस्तार हुआ है। अन्य धर्मावलंबी, संप्रदाय, मत के लोग और समाज भी समारोह मनाते हैं। प्रधानमंत्री अपने आवास पर ईसाइयों को आमंत्रित करते हैं, ताकि ईसा मसीह की जयंती का समारोह मनाया जा सके। प्रधानमंत्री 'सिख साहबजादो' के बलिदान पर 'वीर बाल दिवस' आयोजन में भी शिरकत करते हैं। प्रधानमंत्री को हमने मस्जिद में भी देखा है। प्रधानमंत्री एक भक्त, आराधक के तौर पर 'हिंदू' भी हैं, लिहाजा सिर्फ मोदी-विरोधी सियासत के कारण राम मंदिर पर सवाल उठाना अथवा उसे 'सांप्रदायिक' करार देना तार्किक नहीं है। जिस तरह 1990 के दशक में अयोध्या की आड़ में राजनीति की गई, इस बार उस राजनीति से बचना चाहिए।

राय

कब बनेगा जदरांगल परिसर

'गुस्से को भी चाहिए कुछ कद्रदानों की तालियां, हुजूम में चल सकते हैं सिर्फ बिके हुए लोग।' गुस्से का घर बनाना अब देश को चलाना है और इसीलिए राजनीति को आक्रोश पसंद है। यही आक्रोश हिमाचल में भाजपा के मुखर अंदाज की वकालत में धर्मशाला पहुंचा, तो जिक्र कांगड़ा के इनसाफ तक पहुंच गया। आश्चर्य यह कि सत्ता का पेंडुलम चाहे कांग्रेस की ओर झुके या भाजपा का साथ दे, कांगड़ा के प्रति बहस का नजरिया हमेशा विपक्ष की सहानुभूति पर आकर टिक जाता है। इस बार भाजपा के लिए कांग्रेस का मंत्रिमंडल कांगड़ा की रणभूमि में इसलिए कमजोर है क्योंकि सरकार की गोटियों में एक साल बाद भी दो नेताओं को ही स्थान मिला। तर्क भाजपा के पक्ष में मजबूती से इसलिए खड़ा है क्योंकि जयराम सरकार में यही आंकड़ा इससे कहीं आगे खड़ा था। यह दीगर है कि वहां दो जमा दो की दौड़ में कांगड़ा के मंत्रियों को पद छोडने पड़े थे और वरिष्ठता के आधार पर किशन कपूर को दिल्ली, विपिन सिंह परमार को विधानसभा अध्यक्ष और रमेश धवाला को योजना बोर्ड का रास्ता देखना पड़ा था। बहरहाल भाजपा कांगड़ा की संवेदनाओं में फिर से हामी भरती हुई यह साबित कर रही है कि सुक्खू सरकार की पारी में यह सियासी पटल हार रहा है। सबसे बड़ा मुद्दा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण को लेकर चिन्हित हुआ है। तमाम अड़चनों, राजनीतिक व्याख्याओं, वनापत्तियों और भूगर्भीय पैमाइशों के अंतहीन सिलसिले से निकल कर बरी हुआ जदरांगल परिसर आखिर कांग्रेस की पैमाइश में क्यों लटक गया। आक्रोश रैली ने सीधे पूछा ही नहीं, यह हिसाब भी मांगा कि कब केंद्रीय विश्वविद्याल के जदरांगल परिसर पर काम शुरू होगा और इसके निर्माण को आबंटित हुए ढाई सौ करोड़ खर्च होंगे। भाजपा के किशन कपूर और शांता कुमार पहले ही केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण को लेकर सुक्खू सरकार पर क्षेत्रीय भेदभाव का आरोप दर्ज करा चुके हैं। आश्चर्य व्यक्त करती हुई भाजपा पूछ रही है कि जब सारी अनुमतियां मिल चुकी हैं, तो सरकार वन विभाग को तीस करोड़ की राशि अदा न करके बहाने बना रही है। धर्मशाला परिसर के निर्माण में ढील को लेकर बुद्धिजीवी वर्ग खासा आक्रोशित है और एक बड़े आंदोलन का ऐलान कर चुका है। ऐसे में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के लिए अनेक मुद्दों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय भी शिरकत करेगा। भाजपा ने ऐन शीतकालीन सत्र से पूर्व यह बता दिया कि विपक्ष की भूमिका में इस बार कांगड़ा की हिमायत वह करेगी। यह प्रदेश की राजनीति का कुरुक्षेत्र है जो हमेशा तपोवन विधानसभा परिसर पर आकर अपना पता बताता है। तपोवन में विधानसभा का होना इसी कांगड़ा की सियासी मिट्टी का मक्का है, वरना सत्ता को हमेशा अपना शिखर शिमला में दिखाई देता है। वीरभद्र सिंह ने यह जान लिया था कि सत्ता की किश्तियां ब्यास के पानी से ही गुजरेंगी और यही ताकत इस बार फिर आजमाइश में है। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू को इसी ब्यास ने सरकार की किश्ती सौंपी है और यह वजह भी है कि वह कांगड़ा को खुद से और खुद को कांगड़ा से जोड़ते हैं। वह कांगड़ा को हिमाचल की पर्यटन राजधानी बनाना चाहते हैं, इसलिए सदी की सबसे बड़ी परियोजना के तहत गगल एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत विस्तारित शक्ल देना चाहते हैं। यह दीगर है कि उनकी राजनीतिक कसौटियों में कांगड़ा की टीम बदल रही है, लेकिन इसमें कांगड़ा के राजनीतिक चरित्र का पिछलग्गू पक्ष यथावत है। सत्ता कैसी भी हो, किसी की भी हो, कांगड़ा की जनता हमेशा से सरकार के गठन में प्रमुखता से भागीदारी निभाती है। इस बार कुल दस विधायक देने वाले कांगड़ा के हिस्से भले ही दो मंत्री आए, लेकिन नेताओं का पिछलग्गूपन जारी है। दोष शिमला की सत्ता का कम, कांगड़ा के नेताओं का कहीं अधिक है। भाजपा की सरकार में भी रमेश धवाला, किशन कपूर व विपिन सिंह की क्षमता को ग्रहण लगा था, इस बार चपेट में सुधीर शर्मा आ गए तो जाहिर है उनके क्षेत्र के हिस्से में आया केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर चीख रहा है।

तीस मार से पचास मार खां

वह उनके करीब कहीं नहीं रहे, लेकिन सदा सबको यही बताना उन्हें अच्छा लगता है कि वे उससे पूछ कर ही पानी पीते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा कहने से उनके आसपास धमाके होने लगते हैं और रहगुजर बहुत श्रद्धा से उन्हें देख कर कहते हैं, 'देखिए यही वह सज्जन हैं जिनसे पूछ कर वे पानी पीते हैं।' अचानक कई दिनों से वह इस नगरी में चले आए थे। यह आरामपसंद लोगों की एक ऐसी नगरी थी, जहां कुछ तीसमार खां और बहुत से भुक्खड़ लोग रहते थे। बात भुक्खड़ों की पहले कर लो, क्योंकि पूरी उम्र हाडतोड़ मेहनत करने के बाद भी इनकी कोई पूछ-प्रतीत नहीं होती। दिन-रात खेतों में काम किया। महामारी को अपने बदन पर सहने की परवाह किए बगैर, बंजर धरती के छोटे-छोटे टुकड़ों को ऊसर बना दिया। लहलहाती फसलें खड़ी कर दीं। उनके ओसारों को इन फसलों से भर दिया। चश्माधारी विशेषज्ञों ने बताया कि अरे यही तो वे लोग हैं, जिनकी भरपूर मेहनत ने इस मारक रोग का एक कारण भुखमरी नहीं बनने दिया। रोग पीड़ितों को अकाल पीड़ित होने से बचाया। अब इन लोगों की क्या बात करें, साहिब? ये वही लोग हैं जो हमेशा बेहतर जिंदगी की कतार से टूट गए लगते हैं।

आजकल आखिरी आदमी भी उन्हें कहना बंद कर दिया गया है। ऐसा होना ही था, क्योंकि जबसे ऐसे लोगों के कल्याण के लिए अन्त्योदय योजनाओं के बैनर सजने लगे, उसके अलम्बरदार अपनी-अपनी कतार के आखिरी आदमियों के झुण्ड को लेकर चले आए, कि जिनमें राहत अनुदान के पहले कौर से लेकर आखिरी कौर तक बंट गया, और दशकों से इन कतारों में खड़े आखिरी लोग, अब और जगह नहीं है, और नौकरी नहीं, और राशन नहीं है, की नियति झेलने लगे। इस नियति के बावजूद बहुत दूर-दूर तक फैले हुए हैं। कभी सुना था इस देश में, इस नगरी में कोई भी बिना काम नहीं रहने दिया जाएगा। कम से कम परिवार के एक सदस्य को वर्ष में सौ दिन काम अवश्य मिलेगा, जिससे लोगों को काम से कम अन्न के चन्द दाने अपने पेट में डालने में दिक्कत न हो। दुर्दिनों का प्रकोप बढ़ा तो यह संख्या डेढ़ सौ दिन कर दी गई। सुना है आजकल खजाने की भायं-भायं बढने के कारण यह फिर सौ दिन हो गई है। जो मनरेगा कार्ड कहलाते थे, वे कतार के किन आखिरी लोगों में बंट गए, कुछ खबर नहीं, क्योंकि इधर इस कतार से छिटक गए लोगों की कतार और भी लम्बी हो गई। और इस देश की बहुत सी नगरियों के अलम्बरदार इन योजनाओं की पूर्णतः और सफलता की घोषणाएं करते अब थकते नहीं। ऐसी राहत और अनुदान घोषणाओं के कितने कारनामे आपको और सुना दें? कारनामे सुनाने वाले इन कल्याणकारी मसीहाओं की कमी नहीं। चुनावों के करीब आने की जब आहट होने लगती है तो ऐसे ही अलम्बरदार आपके शहरों में प्रगट हो जाते हैं, जो अपने आपको शहर के तीसमार खां लोगों के अंतरंग चोबदार बताते हैं। समझा देते हैं कि वह तो पानी भी पूछ कर उनसे पीते हैं। इसलिए कभी भी आपको हथेली पर सरसों जमाने जैसा कोई कठिन काम करवाना हो, तो उन्हें अवश्य याद कर लें, पलक झपकते ही आपका काम हो जाएगा, और तीस मार खां का कुनबा बढ़ कर पचास सौ मार खां हो जाएगा। लेकिन कुछ बातें इन लम्बी कतारों से निकाल दिए गए लोगों को आज भी समझ नहीं आईं कि अगर तीस मार खां और उनके चोबदारों द्वारा घोषित स्वर्णयुग वास्तव में ही उनकी निर्वासित धरा पर आ गया है, तो दुनिया भर के भ्रष्टाचारी देशों के सूचकांकों में उनके देश के भ्रष्टाचारी होने का रुतबा और कैसे बढ़ गया? रिश्वतखोरों का यह देश तो शुरू से ही कहलाता था, अब यह रिश्वतखोरी जीने का एक ऐसा अनिवार्य ढंग कैसे बन गई?

सुरेश सेठ

गहन विचार

डाकिए का झोला भारी, झोली खाली

निश्चित समयावधि के बाद ग्रामीण डाक सेवकों की नौकरी को स्थायी करने की व्यवस्था होनी चाहिए। आशा है केंद्र सरकार शीघ्र ही ग्रामीण डाक सेवकों की मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी

डाक कर्मचारी जिस झोले में चिट्ठियां रखकर डाक बांटने जाते हैं, वह काफी भारी है, लेकिन उनकी झोली खाली है। झोला भारी होने से मतलब यह है कि उनके पास काम काफी ज्यादा है, लेकिन झोली खाली है क्योंकि वेतन कम मिलता है। कम से कम भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात डाक कर्मियों की यही हालत है। भारत में किसी समय सरकारी क्षेत्र को बेहतरीन रोजगार प्रदाता सेवा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन जैसे-जैसे केंद्र एवं राज्य सरकारों का बजट बढ़ रहा है और सरकारी सेवाओं में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सरकारें रोजगार के नाम पर कच्ची नौकरियां देकर औने-पौनी तनख्वाहों पर अपने कर्मचारियों के जायज हक न देकर उनका शोषण करती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि सेवा शर्तों में तमाम विसंगतियों और खामियों को लेकर भारत में इन दिनों जहां सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं तो कुछ-कुछ इन्हीं की तर्ज पर अपनी सेवा शर्तों में सुधार, पक्की नौकरी, वेतन बढ़ोतरी और पेंशन की गारंटी के लिए अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले ग्रामीण डाक सेवक संघर्षरत हैं। पिछले दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में डाक कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण डाकघर की सेवाएं गड़बड़ा गई थीं। डाकघरों में बुढ़ापा, अपंगता पेंशन सहित कई कार्यों को निपटाने के लिए लोग पहुंचते हैं। कई लोगों के महत्वपूर्ण चि_ी-पत्र और नौकरी, इंटरव्यू पत्रों सहित पार्सल भी डाक से आते हैं। जाहिर है कि डाक उपभोक्ताओं को असुविधा तो हुई ही होगी। लेकिन इसी विभाग में सेवारत डाक सेवकों की सेवा शर्तों और वेतन-भत्तों का यदि मानवीय दृष्टिकोण से जायजा लें तो लगता है कि केंद्र सरकार विगत कई दशकों से डाक सेवकों की सेवाओं का न केवल जमकर दुरुपयोग कर रही है, बल्कि शोषण करने के मामले में भी सबसे आगे है।

आज महंगाई के जमाने में अच्छे वेतन की आस सभी को रहती है। डाक सेवकों में बारहवीं पास से लेकर स्नातकोतर उपाधि धारक युवा अपनी सेवाएं दे रहे हैं और निर्धारित 3 घंटों के बजाय 8-9 घंटों तक सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन बदले में जिंदा रहने के लिए उन्हें कच्ची नौकरी और मामूली वेतन मिल रहा है। चि_ियों से लेकर ई-पोस्ट तक के सफर को पूरा करते-करते लगभग 500 साल पुरानी भारतीय डाक प्रणाली आज दुनिया की सबसे विश्वसनीय और बेहतरीन डाक प्रणाली में अव्वल स्थान पर है। भारत में 155015 पोस्ट ऑफिस (डाकघर) हैं। कई उतार-चढ़ावों से गुजरते कई सौ साल पहले जब आजकल की तरह खत पहुंचाने के संसाधन और व्यवस्था नहीं थी, तब कबूतरों द्वारा खत एक से दूसरी जगह पहुंचाए जाते थे, अथवा घुड़सवारों के जरिए खत पहुंचाए जाते थे। भारत में डाक सेवा की व्यवस्था साल 1766 में स्थापित की गई और भारत में पहला डाकघर 1786 में मद्रास में स्थापित किया गया। 1877 में पार्सल सेवा, 1879 में पोस्ट कार्ड, 1880 में मनी आर्डर और 1911 में इलाहाबाद से पहली एयरमेल सेवा शुरू की गई। इसी तरह 1935 में पहला इंडियन पोस्टल आर्डर शुरू हुआ। 1972 में पिन कोड की शुरुआत, 1986 में स्पीडपोस्ट का शुभारंभ किया गया। वर्तमान में

औसतन एक भारतीय पोस्ट ऑफिस सात हजार से ज्यादा लोगों को सेवाएं देता है। ग्रामीण अंचलों में ग्रामीण डाक सेवक ही डाक संकलन, दूरस्थ क्षेत्रों (बीट) में डाक वितरण सहित कार्यालय कार्य आरडी और एफडी सहित बैंकिंग से जुड़े लेन-देन के कार्यों को बखूबी संभाल रहे हैं, वो भी कच्ची नौकरी करते हुए। पिछले दिनों अखिल भारतीय गामीण डाक सेवक संघ ने सम्पूर्ण भारत में स्थायी नौकरी, पेंशन और वेतन-भत्तों में सुधार की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी, लेकिन सामान्य नागरिकों को होने वाली असुविधा के दृष्टिगत अपनी हड़ताल वापस ले ली। अब यह केंद्र सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि वह भी न्याय की मांग और ग्रामीण डाक सेवकों की जायज मांगों को शीघ्र पूरा करे, ताकि ये कर्मचारी भी सम्मानजक तरीके से अपने परिवारों की देखभाल कर सकें।

ग्रामीण डाक सेवकों की प्रमुख मांगें हैं कि भारत सरकार उन्हें पक्की नौकरी, आठ घंटे काम, इसी के अनुसार वेतन और पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करे। नियमित कर्मचारियों के समान पहली जनवरी 2016 से समग्र संबंधित निरंतरता भत्ता मिले, 12, 24 और 36 वर्ष की सेवा पूरी करने पर तर्कसंगत निर्धारण, वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए वेटेज वृद्धि, समयबद्ध वित्तीय उन्नयन सहित कमलेश चंद्र समिति की सभी सकारात्मक सिफारिशों को लागू किया जाए। समूह बीमा कवरेज को पांच लाख तक बढ़ाया जाए। विभागीय कर्मचारियों के साथ समानता में जीडीएस ग्रेच्युटी में वृद्धि करने और 180 दिनों तक की सवैतनिक छुट्टी को आगे बढ़ाना और उसका नकदीकरण करने, जीडीएस और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान करने की मांग उठाई है। सेवा निर्वहन लाभ योजना में जीडीएस और विभाग के योगदान को तीन प्रतिशत से बढ़ाकर दस प्रतिशत किया जाए। डाक सेवाओं को बढ़ाने और तेज करने के लिए सभी शाखा कार्यालयों (बीओ) को लैपटॉप, प्रिंटर और ब्राडबैंड नेटवर्क पहुंच प्रदान की जाए। समिति की सभी सकारात्मक सिफारिशों का तत्काल क्रियान्वयन हो। जीडीएस ग्रेच्युटी को 5 लाख रुपए से ज्यादा तक बढ़ाया जाए। जीडीएस और उनके परिवार के सदस्यों को मुफ्त अथवा कैशलेस चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान हो और जहां भी लागू हो, एसडीबीएस (सेवा निर्वहन लाभ योजना) में जीडीएस और विभाग के योगदान को 3 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाए और सभी सेवानिवृत्त जीडीएस को पेंशन प्रदान करने की तत्काल घोषणा की जाए। जीडीएस द्वारा किए गए सभी कार्यों- जैसे डाक वितरण, आईपीपीबी, पीएलआई, आरपीएलआई, बचत योजनाएं और एमजीएनआरईजीएस को उनके कार्यभार मूल्यांकन में शामिल करके उचित वेतनमान एवं भत्तों को दिए जाने की घोषणा हो। निश्चित समयावधि के बाद ग्रामीण डाक सेवकों की नौकरी को स्थायी करने की व्यवस्था होनी चाहिए। आशा है केंद्र सरकार मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र ही ग्रामीण डाक सेवकों की मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी।

अनुज आचार्य

नए साल से पहले सोने और चांदी में आई चमक आपके शहर में इतना महंगा हुआ गोल्ड

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। आज सोने की कीमत वैश्विक स्तर पर उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह कम से कम दूसरी बार है जब सोने में जबरदस्त तेजी देखने को मिला। अगर आप गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको अपने शहर के लेटेस्ट प्राइस जरूर चेक करनी चाहिए।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। आज सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। इस महीने दूसरी बार सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोने की कीमत 450 रुपये बढ़कर 64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

महंगा हुआ सोना

आज राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोने की कीमत 450 रुपये बढ़कर 64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 4 दिसंबर को गोल्ड की कीमत 64,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गई हैं। पिछले कारोबार में सोना 63,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,087.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

चांदी की कीमतों में तेजी

चांदी भी 400 रुपये चढ़कर 79,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले बंद में यह 79,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी 24.31 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ऊंचे भाव पर थे।

आपके शहर में क्या है लेटेस्ट रेट

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें कुछ इस प्रकार हैं:

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 64,400 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,250 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,250 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 64,850 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,250 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,250 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,400 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,400 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,300 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,400 रुपये है।

Zomato और Bata को मिला GST नोटिस, दोनों कंपनियों पर लगा इतने रुपये का जुर्माना

GST Notice Zomato और Bata को जीएसटी विभाग द्वारा नोटिस मिला है। इस नटिस में उनपर जुर्माना लगाया गया है। कंपनी को इस नोटिस का जवाब देना है। जोमैटो ने इस नोटिस को लेकर कहा है कि वह इस नोटिस में दिये गए राशि क भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है। वहीं बाटा भी जल्द ही इस नोटिस को लेकर जवाब देगी।

नईदिल्ली। जीएसटी विभाग ने जोमैटो और बाटा को जीएसटी नोटिस भेजा। इस नोटिस में कंपनी पर जुर्माना लगाया है। कंपनियों ने इसकी जानकारी अपने नियामक फाइलिंग में दी है। आइए, पूरा मामला जानते हैं।

जोमैटो को मिला जीएसटी नोटिस

जोमैटो ने अपने नियामक फाइलिंग में कहा थी कि उनके पास 401.7 करोड़ रुपये की जीएसटी देनदारी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इस नोटिस को लेकर कंपनी ने कहा कि वह या राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है। यह राशि डिलीवरी पार्टनर्स की ओर से डिलीवरी शुल्क के तौर पर कलेक्ट किया गया। कंपनी ने अपने नियामक फाइलिंग में कहा कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय, पुणे जोनल यूनिट से केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम 2017 की धारा 74(1) के तहत 26 दिसंबर, 2023 को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) प्राप्त हुआ है। इस नोटिस में कंपनी को कारण बताना है। कंपनी ने कारण बताते हुए कहा कि वह किसी भी कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है क्योंकि डिलीवरी शुल्क डिलीवरी पार्टनर्सकी ओर से कंपनी द्वारा कलेक्ट किया जाता है।

बाटा को मिला नोटिस

बाटा ने बताया कि आज उन्हें राज्य कर अधिकारी, अन्ना सलाई असेसमेंट सर्कल, चेन्नई से 60.56 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। यह नोटिस 25 दिसंबर को 2018-19 वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम ऑडिट रिपोर्ट में उठाए गए कई मुद्दों से संबंधित है। इस नोटिस में उठाए गए मुद्दों में जीएसटीआर-9 और जीएसटीआर-9सी रिटर्न में बाहरी आपूर्ति पर कर में अंतर, अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ और क्रेडिट नोट पर आईटीसी रिवर्सल शामिल हैं। कंपनी ने उन्हें 27 अप्रैल, 2023 को एक ऑडिट नोटिस मिला और उसने जवाब में दस्तावेज जमा किए। फाइलिंग के अनुसार, बाटा इंडिया को अपना मामला पेश करने और विवादित मुद्दों पर अधिक जानकारी देने के लिए 10 जनवरी, 2024 को एक व्यक्तिगत सुनवाई का समय दिया गया था।

INOX India Ltd के शेयर ने बाजार में ली शानदार एंट्री, निवेशकों को हुआ इतना फायदा

लगातार दो कारोबार सत्र से शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। आज भी बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के बावजूद आज INOX India Ltd के स्टॉक बाजार में लिस्ट हुए। कंपनी के शेयर से निवेशकों को काफी लाभ हुआ है। दरअसल कंपनी के शेयर 44 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुई है।

नई दिल्ली। शेयर मार्केट में गिरावट का दौर जारी है। इस गिरावट के बाद आज क्रायोजेनिक टैंक बनाने वाली कंपनी आईनॉक्स इंडिया लिमिटेड (INOX India Ltd) के शेयर बाजार में लिस्ट हुए हैं। कंपनी की लिस्टिंग प्रीमियम के भाव पर हुई है। एक्सपर्ट ज्यादा प्रीमियम के साथ लिस्टिंग की उम्मीद कर रहे थे पर बीते शुरुआती सेशन में आई गिरावट की वजह कंपनी के शेयर कम प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए।

कंपनी के शेयर दोनों एक्सचेंज पर प्रीमियम पर लिस्ट हुए हैं। आपको बता दें कि आईनॉक्स इंडिया लिमिटेड के शेयर गुरुवार को 660 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए।

कंपनी के स्टॉक ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 41.38 प्रतिशत ऊपर 933.15 रुपये पर शुरुआत की। इसके बाद में यह 48.31 फीसदी उछलकर 978.90 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई पर कंपनी के स्टॉक 43.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 949.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। आज सुबह के कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,522.24 करोड़ रुपये था।

सितंबर 2023 तक बैंकों की एसेट क्वालिटी में आई भारी गिरावट, RBI ने जारी की Financial Stability Report

केंद्रीय बैंक ने Financial Stability Report 2023 रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2023 तक बैंक की खराब एसेट क्वालिटी में गिरावट दर्ज हुई है। अब यह अनुपात 0.8 फीसदी पहुंच गई। वहीं देश की घरेलू वित्तीय प्रणाली लचीली बनी हुई है। इसके अलावा जीएनपीए भी इस साल गिरकर 3.2 फीसदी पर पहुंच गया।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने देश के बैंक की खराब एसेट क्वालिटी को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार सितंबर 2023 के अंत तक बैंक की खराब एसेट क्वालिटीका अनुपात घटकर इस साल निचले स्तर पर पहुंच गया। अब यह 0.8 फीसदी पहुंच गया। देश की घरेलू वित्तीय प्रणाली लचीली बनी हुई है।

आरबीआई ने अपने फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट में कहा कि सितंबर 2023 में सीआरएआर 27.6 प्रतिशत, जीएनपीए अनुपात 4.6 प्रतिशत और संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 2.9 प्रतिशत पहुंच गया। यह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) सेक्टर में हो रहे सुधार को दर्शाता है। इसके अलावा जीएनपीए भी इस साल गिरकर 3.2 फीसदी पर पहुंच गया।

आरबीआई फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट

यह रिपोर्ट भारतीय वित्तीय प्रणाली के जोखिमों पर वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को दर्शाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि सितंबर 2023 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबीएस) का जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 16.8 फीसदी और सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी1) अनुपात 13.7 फीसदी था।

भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू वित्तीय प्रणाली लचीली बनी हुई है, जो मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों, वित्तीय

संस्थानों की स्वस्थ बैलेंस शीट, मुद्रास्फीति में कमी, बाहरी क्षेत्र की स्थिति में सुधार और निरंतर राजकोषीय कॉन्सोलिडेशन को दर्शाती है। हालाँकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें धीमी वृद्धि, बड़े सार्वजनिक डेट और लंबे समय तक भूराजनीतिक संघर्ष की संभावनाएँ शामिल हैं।

भारत ब्रांड के तहत आटा के बाद अब सस्ता चावल बेचेगी सरकार, जल्द होगा एलान

देश में चावल की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। चावल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत ई-नीलामी के माध्यम से चावल की बिक्री की थी। यह स्कीम सफल नहीं हुआ। अब सरकार भारत ब्रांड के तहत चावल की बिक्री करेंगे। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

दिल्ली। देश में चावल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चावल की कीमतों को नियंत्रण करने के लिए सरकार अब एफसीआई चावल को 'भारत' ब्रांड के तहत बेचने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

इस प्रस्ताव की जानकारी खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी द्वारा दी गई है। अधिकारी ने बताया कि अभी तक इसकी रियायती दरें तय नहीं हुई है। इससे पहले सरकार ने ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत ई-नीलामी के माध्यम से चावल की बिक्री शुरू की थी। सरकार ने यह कदम चावल की कीमतों को कम करने के लिए किया था, परंतु इसकी प्रतिक्रिया उतनी अच्छी नहीं मिली। बुधवार को मंत्रालय के अधिकारी ने पीटीआई एजेंसी को बताया कि भारत ब्रांड चावल की खुदरा बिक्री का प्रस्ताव है, लेकिन इसके लिए अभी कोई कीमत तय नहीं की गई है।

यहां सस्ते में मिल रहा आटा और दाल

ओएमएसएस के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) 29 रुपये प्रति किलोग्राम के क्वॉलिटी वाले चावल की खरीदारी की पेशकश की है।

भारत ब्रांड इन चावल को कम या समान दर पर बेचेगा। इसका फैसला मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा। सरकार पहले से ही भारत ब्रांड के तहत गेंहू का आटा और दालें बेच रही थी।

यह भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (NAFED), राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (NCCF) और केंद्रीय भंडार की दुकानों में बेची जा रही थी।

इस साल ओएमएसएस के तहत केवल 3.04 लाख टन चावल ही बेच पाई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गेहूं के मामले में, नोडल एजेंसी ने ओएमएसएस के तहत 82.89 लाख टन गेहूं बेचा है।

चावल की मुद्रास्फीति साल-दर-साल 13 फीसदी पर है। सरकार 2024 के आम चुनावों से पहले प्रमुख खाद्य कीमतों को लेकर चिंतित है।

निचले स्तर पर बंद हुई भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे कम हुआ रुपया

Dollar vs Rupee Price Today डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज के मुताबिक डॉलर के मुकाबले रुपया आज 83.33 पर खुला और इसके बाद यह 17 पैसे गिरकर 83.17 पर पहुंच गया। भारतीय शेयर बाजार में तेजी ने रुपये की गिरावट को रोकने में मदद की है। आज शेयर बाजार नई ऊंचाईयों पर बंद हुआ।

,नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपये में गुरुवार के कारोबारी सत्र में उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। आज सुबह रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ खुला था पर बाद में रुपये में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। आज बाजार बंद होते समय रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज शेयर मार्केट नए शिखर पर पहुंच कर बंद हुआ है।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि विदेशी फंडों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला।

डॉलर और रुपये के बीच कारोबार

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में रुपया 83.33 पर खुली और डॉलर के मुकाबले 83.16-83.34 के दायरे में कारोबार किया। इसके बाद भारतीय करेंसी 83.17 (अनंतिम) पर बंद हुई, जो पिछले बंद के मुकाबले 17 पैसे की बढ़त दर्ज करती है। पिछले दो सत्रों में रुपया 18 पैसे टूटा था।

बीते दिन बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की गिरावट के साथ बंद होने के एक दिन बाद 15 पैसे की गिरावट के साथ 83.34 पर बंद हुई।

शेयरखान बाय बीएनपी पारिबा के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने कहा

कमजोर अमेरिकी डॉलर और शेयर मार्केट में उछाल से रुपये में तेजी आई। ताजा विदेशी प्रवाह और अमेरिकी डॉलर में विस्तारित गिरावट के कारण रुपये में थोड़ा सकारात्मक के साथ कारोबार होने की संभावना है। इसके अलावा अमेरिका से साप्ताहिक बेरोजगारी दावों के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं।

डॉलर इंडेक्स का क्या है हाल?

दुनिया की बड़ी करेंसी के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की मजबूती बताने वाला डॉलर इंडेक्स 0.28 प्रतिशत कम होकर 100.37 पर बना हुआ है। वैश्विक तेल मूल्य बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.64 प्रतिशत गिरकर 79.14 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के कारण अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई।

भारतीय शेयर बाजार मे कैसा रहा कारोबार?

आज शेयर मार्केट में तेजी देखने को मिला है। आज भी बाजार अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 371.95 अंक या 0.52 प्रतिशत उछलकर 72,410.38 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 123.95 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 21,778.70 अंक पर पहुंच गया। एफआईआई की ओर से बुधवार को शेयर बाजार में 2,926.05 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

कोरोना के नए सब-वेरिएंट JN.1 से संक्रमित व्यक्ति को मिली अस्पताल से छुट्टी, दिल्ली में कोई नया मामला नहीं: सौरभ भारद्वाज

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को बताया कि कोरोना के नए सब-वेरिएंट का फिलहाल दिल्ली में कोई नया केस नहीं है। इससे पहले बुधवार को एक मरीज सामने आया था जो ठीक हो गया और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमने कोरोना जांच की संख्या बढ़ा दी है। कल हमने निजी और सरकारी अस्पतालों में 636 टेस्ट कराए।

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को बताया कि कोरोना के नए सब-वेरिएंट का फिलहाल दिल्ली में कोई नया केस नहीं है। इससे पहले बुधवार को एक मरीज सामने आया था, जो अब ठीक हो गया और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमने कोरोना जांच की संख्या बढ़ा दी है। कल हमने निजी और सरकारी अस्पतालों में 636 टेस्ट कराए। इसके जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट हमें कल ही मिले। इसमें दो पुराने ओमिक्रॉन के जबकि एक नए सब-वेरिएंट जेएन.1 के केस पाए गए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि नए वेरिएंट का असर बहुत हल्का है और इस कारण लोग इससे अमूमन बीमार नहीं पड़ते।

जेएन.1 से संक्रमित मरीज के बारे में बताते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वह अब स्वस्थ है। उन्होंने कहा कि इस तरह हम सकते हैं कि दिल्ली में फिलहाल नए सब-वेरिएंट का कोई एक्टिव मरीज नहीं है।

बीते 24 घंटों में कोरोना से छह मौतें

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के बीते 24 घंटों में 692 मामले सामने आए हैं। इस तरह कुल एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 4.097 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों में कुल छह मरीजों की मौत हो गई। इसमें दो महाराष्ट्र में और दिल्ली, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल में एक-एक मरीज की मौत हुई।

नए सब-वेरिएंट के भारत में 109 केस

इसके साथ ही, जनवरी 2020 में के बाद से भारत में कोरोनो से सक्रमित मरीजों की संख्या अब तक 4,50,10,944 तक पहुंच गई है। भारत में कोविड19 से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5,33,346 हो गई है। बता दें,देश में कोरोना के मामलों में अचानक वृद्धि के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने अस्पतालों में रिपोर्ट किए जाने वाले कोविड 19 के संदिग्ध या एक्टिव मामलों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक नए सब-वेरिएंट के बुधवार तक भारत में कुल 109 केस दर्ज किए गए।

प्रॉक्सी सरपंच को देख राज्यपाल नाराज हो गये

मनोरंजन सासमल ओड़िशा

भुबनेश्वर : राज्यपाल रघुवर दास जब झारसुगुड़ा आये तो सदर के तालपटीआ गांव गये. इस समय प्रॉक्सी सरपंच को देखकर राज्यपाल नाराज हो गये और उन्हें सरपंच के काम में हस्तक्षेप नहीं करने को कहा. आज राज्यपाल के दौरे के दौरान एक किसान ने राज्यपाल से कहा कि खाद-बीज का खरीद मूल्य कम होगा तो किसान को फायदा होगा.तब राज्यपाल ने उक्त पंचायत की महिला सरपंच बैजयंती नायक को फोन कर जवाब मांगा कि कीमत अधिक क्यों है. लेकिन सरपंच के अनुपस्थित रहने पर उनके पति रोमांच नायक राज्यपाल के समक्ष आये. यह देख राज्यपाल नाराज हो गये और पूछा कि उनके पति सरपंच के स्थान पर हस्तक्षेप क्यों कर रहे हैं. घटना के बाद सरपंच पति मौके से चला गया। जो आज जिले भर में चर्चा का विषय बना हुआ है. महिला सरपंच की जगह उसके पति को पद पर नियुक्त करने का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। महिला सरपंच का पति ही सरपंच का कार्य कर रहा है। हाईकोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया है. पिछले नवंबर में मामले की सुनवाई के बाद उन्होंने इस मामले पर सख्त टिप्पणी की थी. जस्टिस डां.संजीव मनिगरही की जूरी ने इस मामले में कहा, "इसकी वजह से विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी प्रतिबंधित हो गई है. कोर्ट ने कहा कि जीत हासिल करने वाली महिलाओं के पति महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था के उद्देश्य को विफल कर रहे हैं.

तिहाड़ जेल में मोटी वसूली का खेल जारी, लावा मोबाइल के मालिक से लिया पांच करोड़ सुविधा शुल्क

तिहाड़ की जेल नंबर दो में बेहद कुख्यात अपराधियों को रखा जाता है। हरिओम राय को डराने व दबाव बनाने के मकसद से ऐसा किया गया। यह सब जेल के कुछ अधिकारी एक इंस्पेक्टर व एक सब इंस्पेक्टर के इशारे पर किया गया। इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर दिल्ली पुलिस में तैनात एक विशेष आयुक्त का बेहद करीबी बताया जा रहा है।

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में सुविधा के नाम पर मोटी वसूली का खेल बदस्तूर जारी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का मामला हो या फिर महाठग सुकेश चंद्रशेखर को जेल के अंदर सुविधा पहुंचाने के नाम पर करोड़ों की वसूली का। जेल के अंदर की गतिविधियां लगातार संदेह के घेरे में रही हैं।

रकम नहीं मिलने पर भेजा गया दूसरी जेल

अब लावा मोबाइल कंपनी के मालिक हरिओम राय से सुविधा शुल्क के नाम पर पांच करोड़ रुपये वसूलने का ताजा मामला सामने आया है। यह भी जानकारी सामने आई है कि अपेक्षा के अनुरूप रकम नहीं मिलने पर दबाव बनाने के लिए लावा के मालिक को दूसरी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

करीब 100 जेल अधिकारी व कर्मी हो चुके हैं निलंबित

यह स्थिति तब है जब बीते नवंबर माह में तिहाड़ के जेल नंबर सात में बंद ईडी के 85 बंदियों को सुविधाएं मुहैया कराने की बात सामने आने पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने जांच का आदेश दिया था। बीते कुछ वर्षों में विभिन्न प्रकरणों में शामिल 100 से ज्यादा जेल अधिकारी व कर्मी निलंबित भी किए जा चुके हैं।

आत्मनिर्भर राजस्थान के विकास इंजन के रूप में पहचान बना रही है विकसित भारत संकल्प यात्रा

> ग्रा.पं. बसेड़ा, बच्छखेड़ा, टीठोडाजागीर, बाकरा, कंकरोलियाघाटी एवं नंदराय में आयोजित हुए केंप

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। भारत सरकार के निर्देशानुसार 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत गुरुवार को मोदी जी की गारंटी' नाम से लोकप्रिय आईसी वैन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनता के नाम प्री-रिकॉर्डेड वीडियो संदेश एवं प्रमुख जनकल्याणकारी कार्यक्रमों से संबन्धित जनजागरूकता संदेश को लेकर जिले में निर्धारित रूट मेप के अनुसार शाहपुरा की ग्राम पंचायत बसेड़ा एवं बच्छखेड़ा , जहाजपुर की ग्रामपंचायत टीठोडाजागीर एवं बाकरा , तथा कोटड़ी की ग्राम पंचायत कंकरोलियाघाटी एवं नंदराय में पहुंचीजिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा आत्मनिर्भर राजस्थान के विकास इंजन के रूप में पहचान बना रही है। संकल्प यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाकर सभी योजनाओं में वंचित पात्रजनों का पंजीयन निरंतर कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि माय भारत वोलेंटियर्स पंजीयन, क्विज प्रतियोगिता, धरती कहे पुकार के स्किट आदि गतिविधियों में जिलेवासी बढ़चड़ कर भाग ले रहें हैं। जिले का प्रदेश में अग्रणी स्थान सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा बैठकों के दौरान आवश्यक निर्देश दिये जा चुके हैं।

जिला कलक्टर ने बताया कि इन शिविरों में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत – पीएमजेएवाई, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), प्रधानमंत्री पोषण अभियान, 'हर घर जल' - जल जीवन मिशन, गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण (स्वामित्व), जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक योजना आदि के अंतर्गत जनजागरूकता और जनसहभागिता के माध्यम से अंतिम पंक्ति के वंचित वर्ग तक लाभ पहुंचाया जा रहा है।

शिविरों में 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' के तहत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी इन योजनाओं से जुड़े अपने-अपने अनुभव साझा कर रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार भी व्यक्त कर रहें हैं।

आयोजित हो रहे शिविरो में संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, संबंधित उपखण्ड के उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी सहित अन्य संबन्धित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, लोक कलाकार एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

सिंघानिया लॉ कॉलेज में हुआ मूट कोर्ट का आयोजन

हत्या के सगीन अपराध में पति और नन्द को मृत्युदंड की सजा

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। सिंघानिया लॉ कॉलेज में हुआ मूट कोर्ट का आयोजन किया गया। संस्था के निदेशक डॉ अशोक आचार्य ने बताया कि कॉलेज में मूटकोर्ट का प्रायोगिक कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में काल्पनिक तथयो के आधार पर मजिस्ट्रेट, कोर्ट ओर सत्र न्यायालय की प्रकिया को कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा पूरा किया गया। जिसमें मजिस्ट्रेट कोर्ट की प्रकिया में न्यायाधीश की भूमिका में पायल कोठारी, सहायक अभियोजन की भूमिका में भाविक जारोली ओर बचाव पक्ष अधिवक्ता की भूमिका रुबीना बानो एवं कौशल रावत ने अदा की। हलकारे के रूप में मजिस्ट्रेट कोर्ट में जितेन्द्र माली ने सहयोग किया। अभियुक्ता के रूप में पीयुष जैन, सोनिया जैन, कविश, खुशी पालीवाल ने अपनी भमिका अदा की। सत्र न्यायालय में सत्र न्यायाधीश की भूमिका उमेश मोटवानी ने अदा की। इस न्यायालय में लोक अभियोजक के रूप में गजेंद्र सिंह, बचाव पक्ष के रूप में खुशी डांगी, जितेंद्र माली एवं विनोद कुमार रेगर ने अदा की। अभियोजन की और से गवाह प्रस्तुत किये गए। न्यायालय ने निर्णय दिया कि अभियुक्तगण का कृत्य इतना संगीन है कि मृत्युदंड ही एकमात्र सजा है। अभियुक्तगण पीयूष ओर सोनिया को मृत्युदंड की सजा एवं 5-5 लाख रुपये जुर्माना एवं पीयूष, सोनिया एवं कविश ओर खुशी को साक्ष्य विलोपन के अपराध के लिए 5-5 वर्ष का कठोर कारावास ओर 50-50 हजार रुपये जुर्माना किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में लीडिंग केस T.M.A. Pai FoundationAnd ors' V/S State of Karnataka And ors. का परीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य न्यायमूर्ति की भूमिका डॉ भारत भूषण ओझा द्वारा अदा की गई। तथा साथ ही अन्य न्यायमुर्ति के रूप में भवँर सिंह, चिराग, पीयूष, खुशी, सपना, निधि, रेखा, खेतदान, यशवर्धन सिंह, नरवर सिंह ने अदा की। पिटीशनर एडवोकेट के रूप में खुशबू खण्डेलवाल एवं खुशी डांगी ओर रेस्पोंडेंट एडवोकेट के रूप में सोनिया जैन और अक्षिता पाटीदार ने भूमिका अदा की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ भूपेंद्र कुमावत ने बताया कि मूटकोर्ट का आयोजन विधि विद्यार्थियों के लिए अति आवश्यक है। जिससे विधि विद्यार्थियों को कोर्ट की कार्यवही को व्यवहारिक रूप से अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास हेतु आवश्यक है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के प्राचार्य ने दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के समस्त शेक्षणिक ओर गैर-शेक्षणिक कर्मचारियों और विद्याथी उपस्थित थे।

महावीर इंटरनेशनल मीरा ने पैगनेंसी टू इंफ़ेंसी के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषाहार व बेबी किट वितरण किए

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना, ज़ोन चेयरपर्सन मंजु खटोड़, ट्रस्टी बलवीर देवी चौरड़िया के सानिध्य में वीरा ख़ुशबू टुकलिया के सहयोग से पैगनेंसी टु इंफ़ेंसी के तहत सुभाष नगर में 2 नंबर आंगनबड़ी केंद्र पर 15 गर्भवती महिलाओं को पोषाहार जिसमें बादाम, गोला, गुड़, भुंगड़े, मूँग, दाल, मुरमुरे, दलिया, ग्लुकोज बिस्किट, मुन्नका दाख आदि पौष्टिक आहार दिया गया। डायरेक्टर अर्चना सोनी ने महिलाओं को गर्भावस्था में पौष्टिक आहार का सेवन करे, अच्छे विचार रखे, माँ अगर स्वस्थ रहेगी तो बच्चा भी स्वस्थ होगा। सचिव कला कुदाल ने कहा बच्चा होने पर पहला कपड़ा महावीर इंटरनेशनल की ड्रेस ही पहनावे किसी तरह का दूसरे कपड़े ना पहनाये बच्चे में इंफ़ेक्सन फैलाने का डर रहता है सावधानी रखे।

कार्यक्रम में मंजु पोखरना, मंजु खटोड़, बलवीर देवी चौरड़िया, मंजु बापना, सचिव कला कुदाल, आंगनबाड़ी शिक्षिका पूजा आदि उपस्थित थे।

अमृतसर, (साहिल बेरी) चार साहिबजादो व माता गुजर कौर जी के शहीदी दिवस को समर्पित रहीनोस जिम की तरफ से रंजीत एवेन्यू डी ब्लॉक में करवाए गए धार्मिक समागम दौरान श्री सुखमणि साहिब के पाठ के उपरांत रागी जत्थों ने संकीर्तन किया। समागम में सीनियर डिप्टी एडवोकेट जनरल पंजाब जोगिंदर पाल रतडा, जिला एटार्नी अमर पाल सिंह, एक्सिन पीडब्ल्यूडी इंद्रजीत सिंह ने संकीर्तन सरवन किया। इस दौरान जिम के मालिक दीप गिल, महेंद्र पाल रतडा, मनदीप सिंह ने लंगर की सेवा की।

समग्र शिक्षा अधिकारी श्री योगेश जी पारीक (एडीपीसी) द्वारा मंज़लि के सहयोग से कराये जा रहे ऑन जॉब प्रशिक्षण का किया अवलोकन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। समग्र शिक्षा अधिकारी श्री योगेश जी पारीक (एडीपीसी) द्वारा आज IMAD TRAINING INSTITUTE और Leo's Makeover पर मंज़लि के सहयोग से कराये जा रहे ऑन जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया गया एवं मंज़लि द्वारा उपलब्ध ब्यूटी एंड वेलनेस के विद्यार्थिओं को प्रेक्टिकल करने के लिए मेकउप किट वितरित किये और वहां उपस्थित सभी विद्यार्थयों को अपने शुभ सन्देश से प्रोत्हाहित करते हुए बताया की वह व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से जो भी हुनर आप सिख रहे उसमे अपना अच्छा भविष्य देख सकते है मंजिल पारियोजना के अंतरगर्त भीलवाड़ा जिले के 35 विद्यालयों के बालिकाओं को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ा गया है ताकि वह आने वाले समय में कभी भी अपने-आपको बेरोजगार महसूस नहीं कराये और आत्मनिर्भर बन सके।

मंजिल परियोजना का मूल उद्देश्य किशोरी बालिकाओ को व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना व उच्च स्तरीय व्यावसायिक कौशल एवं रोजगार के अवसर प्रदान कराना है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023